www.tamsasanket.com
वर्षः 29|| अंक 182 ||अम्बेडकरनगर
गुरुवार
24 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:55
सूर्यास्तः 06:02
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 23°00

पेज 07

विशेष समाचार | नकल रोकने वाला शिक्षक... >> पेज 04 | 23 साल की लड़की की गला ... >> पेज 06 | सलमान के बयान पर विवेक ...

बरियावन की काली रात ने हिला दीं पुलिस की कुर्सियां

बुधवार को सीओ सिटी नीतीश कुमार तिवारी हटे, मंगलवार को इंस्पेक्टर समेत पांच पर गिरी थी गाज

जेसीबीकांड

■ संतोष सिंह की जगह भूपेंद्र सिंह को मिली अकबरपुर कोतवाली की कमान

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अकबरपुर के बरियावन की उस रात की गुत्थी अभी सुलझी नहीं है, लेकिन कार्रवाई की परतें लगातार खुल रही हैं।तीन जेसीबी की कहानी अब पुलिस के बड़े अधिकारियों तक पहुंच गई है। बुधवार को सीओ सिटी नीतीश कुमार तिवारी को पुलिस कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया। उनकी जगह आलापुर के सीओ अरुण कुमार नौहवार को सिटी सर्किल की जिम्मेदारी दी गई है। यातायात की जिम्मेदारी संभाल रहे जितेंद्र कुमार सिंह को सीओ आलापुर बनाया गया है। >> (शेष पेज 06 पर)

पहले पांच नपे अब सीओ भी हटे

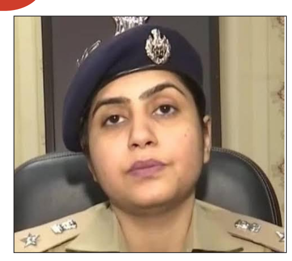

संतोष सिंह गए, भूपेंद्र सिंह ने संभाली कोतवाली

अकबरपुर के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के निलंबन के बाद भूपेंद्र सिंह को शहर का कोतवाल बनाया गया है। अब बरियावन प्रकरण की जांच के बीच अकबरपुर कोतवाली की कमान नए प्रभारी निरीक्षक के हाथ में है। एक तरफ कोतवाली में नेतृत्व बदल गया, दूसरी तरफ सिटी सर्किल की जिम्मेदारी भी बदल गई। यानी बरियावन कांड के बाद पुलिस की पूरी जिम्मेदारी व्यवस्था में फेरबदल देखने को मिला है।

> मंगलवार तक कहानी कुछ और थी। उस दिन कार्रवाई की सूची में इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही और लेखपाल तक थे, लेकिन सीओ सिटी का नाम नहीं था। इसी ने बरियावन से लेकर अकबरपुर तक कई सवालों को जन्म दे दिया था।

रात में जेसीबी चलीं, सुबह पुलिस को पता चला

बरियावन-किछौछा मार्ग पर 20 सितंबर की रात तीन जेसीबी पहुंचीं। करीब एक घंटे तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चलने की बात सामने आई। 11 मकान और दुकानें गिरा दी गईं। पुलिस को इसकी सूचना अगले दिन सुबह मिली। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पीछे की जमीन तक रास्ता बनाने के लिए आगे बनी दुकानों को हटाया गया।

■ 2 आरोपी गिरफ्तार

आला अधिकारियों पर जिम्मेदारी कौन तय करेगा?

राज्य मुख्यालय से

लखनऊ / अंबेडकर नगर। एक तरफ जहां एक संत, एक योगी और उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर शातिर अपराधियों और भू-माफियाओं पर चल रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ अंबेडकर नगर जनपद में पुलिस संरक्षण में बेखौफ बदमाशों ने बाबा के बुलडोजर पर कब्जा कर उसे बरियावन बाजार में चलाकर अपने पुलिसिया गठजोड़ का खुलेआम प्रदर्शन किया। हालांकि, शहर कोतवाल से लेकर लेखपाल तक को निलंबित कर दिया गया, किंतु जिले के आला अधिकारियों—जिलाधिकारी और जिले की कप्तान—पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मजे की बात तो यह है कि कप्तान प्राची सिंह ने कागजी खानापूर्ति करते हुए क्षेत्राधिकारी नीतीश कुमार, सीओ को सर्किल से हटाकर उन्हें पुलिस कार्यालय से संबद्ध कर दिया। इससे एक तरह से उन्हें क्लीन चिट दे दी गई या यह साबित करने का प्रयास किया गया कि इस घटना की जिम्मेदारी किसी आईएएस, आईपीएस, पीसीएस या पीपीएस अधिकारी की नहीं है। >> (शेष पेज 06 पर)

> सवाल यही है कि आखिर आला अधिकारियों की जिम्मेदारी कब तय होगी?

बरामद हो गई जेसीबी मशीनें

बरियावन कांड में प्रयुक्त चर्चित तीन जेसीबी मशीनों और काली गाड़ी को लेकर कई सवाल खड़े हुए थे। हालांकि अब पुलिस ने घटना में प्रयुक्त जेसीबी मशीनों को बरामद कर लिया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बरियावन बाजार में दुकानों को गिराने के लिए इन जेसीबी मशीनों को मौके तक कौन लेकर आया था और इनके संचालन के पीछे किसकी भूमिका थी? मामले में पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली अकबरपुर में संबंधित धाराओं में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस के अनुसार प्रकाश में आया कि दुकानों के पीछे स्थित भूमि के स्वामियों ने ही घटना को अंजाम दिलाया।

सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल के अधिकारों की जांच करेगा

लॉ ग्रेजुएट्स का एनरोलमेंट रोका था

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी BCI के अधिकारों को लेकर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वह यह जांच करेगी कि BCI के पास लॉ कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज की कानूनी शिक्षा को रेगुलेट करने का अधिकार है या नहीं।

यह मामला नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के 2026 बैच के ग्रेजुएट्स का एनरोलमेंट रोकने से जुड़ा है। BCI ने 13 अगस्त को सभी स्टेट बार काउंसिलों को निर्देश दिया था कि अगले आदेश तक NALSAR के 2026 बैच के किसी भी ग्रेजुएट का वकील के तौर पर एनरोलमेंट न किया जाए। >> (शेष पेज 06 पर)

■ कहा- बीसीआई की जिम्मेदारी लाइसेंस देने के बाद शुरू होती है

जीरो कमीशन पर चलेगी भारत टैक्सी

चालक को पांच लाख की सामाजिक सुरक्षाः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लॉन्च

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने भारत टैक्सी के पांच सारथियों सुमनदीप कौर, अमित कुमार अग्रवाल, अमरीश सोनकर, शशांक पांडेय और पंकज कुमार वर्मा को मंच पर शेयर प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थियों को ऋण के चेक भी वितरित किए, जिसमें अनिल कुमार सिंह को छह लाख रुपये, अंकुश कुमार को पांच लाख रुपये, अवधेश कुमार को चार लाख 50 हजार रुपये, बाबूलाल राजपूत को तीन लाख रुपये और संजय को दो लाख रुपये का ऋण प्रदान किया गया। >> (शेष पेज 06 पर)

अन्नदाता किसानों के लिए बड़ी घोषणाः मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत एलडीबी के ऋण की ब्याज दर 11 से घटाकर छह प्रतिशत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने किया भारत टैक्सी एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ

भारत टैक्सी से युवाओं को मिलेगा रोजगार का नया अवसर : ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सहकारिता विभाग समाज के गरीब, किसान और मध्यम वर्ग से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूर्ववर्ती सरकारों में यह विभाग अपनी मूल भावना से भटक गया था, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सहकारिता विभाग को नई दिशा मिली है और आज सहकारी बैंक लाभ की स्थिति में हैं, जिसका लाभ किसानों और आम लोगों को मिल रहा है।

- मुख्यमंत्री ने भारत टैक्सी के पांच सारथियों को किया सम्मानित, कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थियों को प्रदान किया चेक
- भारत टैक्सी और तीन प्रमुख संस्थाओं के बीच एमओयू का आदान-प्रदान

मुख्यमंत्री के समक्ष भारत टैक्सी के साथ तीन एमओयू

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मंच पर भारत टैक्सी और तीन प्रमुख संस्थाओं के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। भारत टैक्सी के सीईओ हिमांशु ने अडानी एयरपोर्ट लखनऊ के चीफ कमर्शियल ऑफिसर शिव मोहन सिंह, उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के मैनेजिंग डायरेक्टर सुशील कुमार तथा यातायात एवं सड़क सुरक्षा, लखनऊ के डीआईजी अरविंद कुमार मौर्य के साथ एमओयू का आदान-प्रदान किया।

फास्ट न्यूज

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड केस, एग्जाम हॉल का सीसीटीवी सामने आया

मुंबई। IIT बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में बुधवार शाम को एक CCTV फुटेज सामने आया है। 54 सेकेंड का फुटेज एग्जाम हॉल के अंदर का है, इसमें साहिल काली टी-शर्ट पहने है।

चिंतन शिविर

पीएम मोदी की क्लास में कैबिनेट मिनिस्टर्स

नई दिल्ली। मोदी सरकार के मंत्रियों का आज से 2 दिन का चिंतन शिविर शुरू हो गया है। यह 24 सितंबर तक चलेगा। इसमें पीएम मोदी कैबिनेट मिनिस्टर्स की क्लास लेंगे। सरकार के एक मंत्री ने भास्कर को बताया कि शिविर के पहले दिन हर मिनिस्टर अपने मंत्रालय के काम का प्रेजेंटेशन देगा। दूसरे दिन रिव्यू होगा। रिव्यू में ग्रेडिंग दी जाएगी। एक्सीलेंट, गुड, एवरेज, पुअर। एक्सीलेंट से लेकर गुड तक ग्रीन जोन में होंगे। एवरेज और उससे नीचे के मंत्री रेड जोन में आ जाएंगे। मतलब उन्हें संकेत मिल जाएगा की कैबिनेट विस्तार में उनकी कुर्सी खतरे में है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट जज एकमत नहीं

नई दिल्ली । मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) और दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बंटा हुआ फैसला दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच को यह तय करना था कि केस बड़ी (पांच जजों की) बेंच को भेजा जाए या नहीं।

नंदीग्राम उपचुनाव हलफनामे में जन्म 1966, 10वीं 1965 में पास की

भाजपा प्रत्याशी जन्म से पहले 10वीं पास हुईं : कांग्रेस

उम्मीदवारी रद्द करने की मांग

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। बंगाल की नंदीग्राम सीट पर उपचुनाव से पहले एक और विवाद सामने आया है। कांग्रेस ने BJP प्रत्याशी हसीरानी रथ के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। कांग्रेस का दावा है कि BJP प्रत्याशी ने चुनावी हलफनामे में अपनी उम्र और पढ़ाई से जुड़ी गलत जानकारी दी है।

कांग्रेस नेता और वकील रित्जू घोषाल ने कोर्ट में कहा-हसीरानी रथ ने हलफनामे में जन्म साल 1966 बताया है, जबकि 1965 में माध्यमिक यानी 10वीं की परीक्षा पास करने का जिक्र किया है। हसीरानी ने जन्म से पहले 10वीं कैसे पास कर ली। नंदीग्राम विधानसभा सीट पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होगा और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। >> (शेष 06 पर)

■ TMC प्रत्याशी ने नाम वापस लेने से पहले CM शुभेंदु से मुलाकात की थी।

भाजपा बोली- हलफनामे में सिर्फ टाइपिंग की गलती

वहीं BJP ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। पार्टी ने कहा कि हसीरानी की उम्र को लेकर कोई समस्या नहीं है। BJP के मुताबिक, हसीरानी ने 1980 में 10वीं कक्षा में पढ़ाई की थी। पार्टी ने कहा कि हलफनामे में सिर्फ एक टाइपिंग की गलती हुई है।

■ भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ सीएम शुभेंदु के पीए रहे चंद्रनाथ रथ की मां हैं। चंद्रनाथ की 6 मई को हत्या कर दी गई थी।

स्कूल की मान्यता पर भी सवाल, दावा- सिर्फ 5वीं तक था दर्जा

भाजपा प्रत्याशी ने जिस स्कूल का नाम हलफनामे में दिया गया है, कांग्रेस ने उसके रिकॉर्ड पर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी के मुताबिक, चौखाली गंगा पद्म मिलन कन्या विद्यापीठ की शुरुआत 1963 में हुई थी।उस समय वहां 5वीं तक पढ़ाई होती थी।

एसआईआर से जुड़े फैसले सर्वसम्मति से हुए : आयोग

चुनाव आयुक्तों की अलग-अलग राय सामान्य भाजपा बोली- यही स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी

रिपोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर मीडिया इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट पर अपना पक्ष रखा है। आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि कई सदस्यों वाले संवैधानिक संस्था में अलग-अलग राय और सुझाव आना सामान्य है। आयोग ने कहा कि SIR समेत पिछले एक साल में लिए गए सभी अंतिम फैसले सदस्यों की सर्वसम्मति से हुए हैं। दूसरी तरफ, BJP ने भी कहा कि चुनाव आयुक्तों के बीच अलग-अलग राय होना स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। >> (शेष पेज 06 पर)

बीजेपी बोली- अलग राय लोकतंत्र का हिस्सा

BJP प्रवक्ता संबित पात्रा ने चुनाव आयोग के भीतर अलग-अलग राय सामने आने को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि अगर आयोग के सदस्य आपस में विचार-विमर्श नहीं करेंगे तो विपक्ष उन पर सरकार की हां में हां मिलाने का आरोप लगाएगा।

पेपरलीक आरोपी का बेटा 2 साल नीट नहीं दे सकेगा

पिता को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है

बैन

तमसा संकेत, एजेंसी

लातूर । पेपर लीक मामले में आरोपी कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे पर NTA ने NEET-UG परीक्षा देने से दो साल के लिए बैन लगा दिया है। कोचिंग संचालक शिवराज मोटेगांवकर का बेटा आदित्य NEET-UG 2027 भी नहीं दे सकेगा। NTA ने 21 जून को NEET-UG की दोबारा परीक्षा कराई थी। इसके बाद आदित्य का रिजल्ट रोककर उससे कथित गड़बड़ियों पर जवाब मांगा गया था।

आदित्य ने अपने जवाब में परीक्षा के दौरान किसी भी गलत तरीके का इस्तेमाल करने से इनकार किया। उसने कहा कि नोटिस 3 मई की परीक्षा में कथित गड़बड़ियों से जुड़ा है। आदित्य ने यह भी सवाल उठाया कि इसके बावजूद 21 जून को हुई दोबारा परीक्षा का रिजल्ट क्यों रोका गया। NEET-UG पेपर लीक मामले में CBI ने शिवराज मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया था। >> (शेष पेज 06 पर)

■ सीबीआई का आरोप- केमिस्ट्री पेपर के लिए 5 लाख दिए

संबोधन : यूएन में पेजेशकियान का ट्रंप पर निशाना, मिनाब स्कूल हमले की तस्वीरें भी दिखाई

‘हम आतंकवाद के शिकार’

तमसा संकेत, एजेंसी

मैनहैटन । ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। मसूद पेजेशकियान ने ट्रंप पर पलटवार करते हुए ईरान को आतंकवादी देश कहे जाने वाला बयान खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है। इसी के साथ उन्होंने अमेरिका और इस्राइल पर ईरानी क्षेत्र में हमले करने का आरोप लगाया।

पेजेशकियान ने कहा, ₹कल अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमें आतंकवादी बताया। हम आतंकवाद के शिकार रहे हैं।₹ पेजेशकियान ने अपने संबोधन के दौरान मिनाब स्कूल हमले के पीड़ितों की तस्वीरें भी दिखाईं। उन्होंने इन तस्वीरों के जरिए संघर्ष में मारे गए निर्दोष नागरिकों का मुद्दा उठाया। ईरानी राष्ट्रपति ने ईरानी नागरिकों पर हुए हमलों का जिक्र करते हुए कब्रों और बच्चों समेत अन्य पीड़ितों की तस्वीरें दिखाईं। पेजेशकियान ने कहा कि ईरान ने अपना बचाव किया, लेकिन दावा किया कि उसकी सेना ने जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाने से परहेज किया। उन्होंने कहा, हमारे निर्दोष लोग हमारे देश पर थोपे गए कायराना हमलों का निशाना बने। हमने पूरी ताकत के साथ अपना बचाव किया। >> (शेष पेज 06 पर)

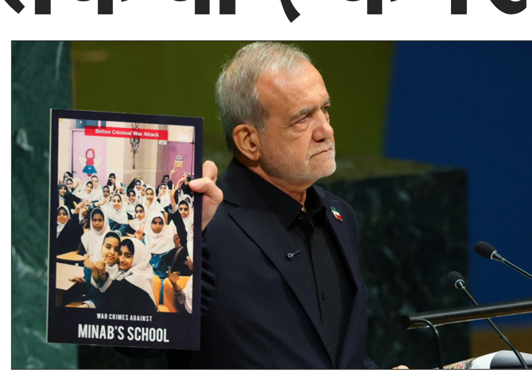

■ ईरानी राष्ट्रपति पजशकियान मिनाब स्कूल के बच्चियों की तस्वीर दिखाते हुए।

> पेजेशकियान के संबोधन के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का एक अधिकारी संयुक्त राष्ट्र महासभा से बाहर निकल गया। जैसे ही ईरानी राष्ट्रपति ने अपना भाषण शुरु किया, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का अधिकारी अपनी जगह से उठा और बैठक से बाहर चला गया।

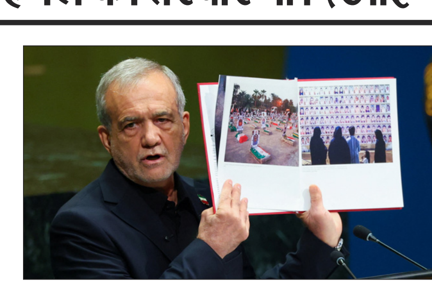

मिनाब स्कूल पर हमले की दिखाई तस्वीरें

ईरानी राष्ट्रपति ने अपना पक्ष रखते हुए ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या के साथ ईरानी नागरिकों और संस्थानों पर हुए हमलों का भी जिक्र किया। पेजेशकियान ने कहा, मैं ऐसे ईरान से आता हूं, जहां हमारे सम्मानित सर्वोच्च नेता की बिना किसी कानूनी प्रक्रिया या कारण के हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा, मैं ऐसे ईरान से आता हूं, जहां वास्तव में एक स्कूल पर बम गिराया गया। आप इन बच्चों को देख रहे हैं? ये बच्चे अमेरिका और इस्राइल द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियारों से किए गए बम हमलों में मारे गए। उन्होंने कहा, वे निर्दोष थे और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया था।

नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया, चुनाव से पहले एक्शन में बसपा सुप्रीमो, आकाश को सभी राज्यों की समीक्षा का अधिकार था

मायावती ने भतीजे ईशान को आकाश की जगह दी

ऐलान

■ बसपा प्रमुख मायावती ने 20 दिन के अंतराल पर दूसरी बार राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बसपा सुप्रीमो मायावती ने छोटे भतीजे ईशान आनंद को पार्टी का नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाने का ऐलान किया है। बुधवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग में उन्होंने कहा- ईशान राजाराम और रामजी गौतम की देखरेख में आगे बढ़ेंगे। उनसे मार्गदर्शन लेंगे। जरूरत पड़ने पर अपने पिता और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार का भी मार्गदर्शन लेंगे।

नेशनल कोऑर्डिनेटर का पद इससे पहले बड़े भतीजे आकाश के पास था। मायावती ने 9 सितंबर को आकाश को पार्टी से बाहर कर दिया था। आकाश को सभी राज्यों की समीक्षा का अधिकार था। हालांकि, ईशान को अभी यह अधिकार नहीं दिया है। यूपी चुनाव से पहले मायावती एक्शन में हैं। बुधवार को 20 दिन बाद ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग बुलाई थी। बसपा ऑफिस में मायावती ठीक सुबह 11 बजे पहुंचीं। उनके साथ छोटे भाई आनंद कुमार और छोटे भतीजे ईशान आंनद भी साथ आए।

मायावती सीधे अपनी चेयर तक पहुंचीं। वहां ईशान आनंद हाथ बांधकर काफी देर तक खड़े रहे। इसके बाद मायावती ने उनकी पीठ पर हाथ रखा तो उन्होंने बसपा सुप्रीमो के पैर छूए। मायावती ने कहा- UPI पेमेंट की नई व्यवस्था लागू करके सरकार ने व्यापारियों की कमर तोड़ने का काम किया है। इसके दुष्प्रभाव से जरूर बचना चाहिए। IIT मुंबई में दलित समाज के छात्र की आत्महत्या पर कहा- घटना साबित करती है कि जातिवाद चरम पर है। शासन-प्रशासन और विश्वविद्यालय व्यवस्था सुधारने को तैयार नहीं है। ईशान आनंद ने कहा- मैं अपनी पूरी ईमानदारी और निष्ठा से जिम्मेदारी निभाने का पूरा-पूरा प्रयास करूंगा। सभी साथियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि मैं आप लोगों को कभी भी निराश नहीं करूंगा। मैं हमेशा बहन जी के बताए हुए रास्ते पर ही चलूंगा। यह मेरा आप सभी से वादा है।

यूपी, उत्तराखंड, पंजाब चुनाव बसपा अकेले ही लड़ेगी

मायावती ने कहा- यूपी, उत्तराखंड, पंजाब विधानसभा चुनाव बसपा अकेले ही लड़ेगी। दमदार प्रत्याशी का चयन करें। भारतीय राजनीति में चर्चित परिवारवाद का मामला है, तो बसपा हमेशा पाक साफ रही है। उन्होंने कहा- यूपी का चुनाव कांटे की टक्कर वाला हो, त्रिकोणीय हो या चतुष्कोणीय हो, बसपा के लोग 5वीं बार अपनी सरकार बनाने के लिए कमर कस चुके हैं।

> मीटिंग में दिवंगत विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस युकेश सिंह भी पहुंचे। इसके अलावा बसपा के 400 पदाधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। राज्यों से प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, जबकि यूपी-उत्तर-खंड से जिला अध्यक्ष और मंडल कोऑर्डिनेटर भी मीटिंग में शामिल हुए।

दो पीआरडी जवानों की हत्या में चार आरोपी बरी

बैंक में 10 साल पहले तिजोरी खोलने का था आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी में करीब 10 साल पहले जिला सहकारी बैंक में हुई दो पीआरडी जवानों की हत्या के मामले में अदालत ने चार आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने जांच में सामने आई खामियों और वैज्ञानिक साक्ष्यों की कमी को अहम माना। अदालत ने कहा कि केवल अनुमान या कल्पना के आधार पर किसी आरोपी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अभियोजन पक्ष आरोपियों को घटना से जोड़ने वाला ठोस सबूत पेश नहीं कर सका।

घटना 5 अप्रैल 2016 की है। जिला सहकारी बैंक में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पीआरडी जवान ओमप्रकाश और देशराज की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद बदमाशों ने बैंक की तिजोरी खोलने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। बैंक के चपरासी शत्रुघ्न प्रसाद की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने 15 अप्रैल को घटना का खुलासा करने का दावा किया था। कलीम कुरैशी, सरवर, पंकज वर्मा, वहाजुद्दीन उर्फ बादशाह और नाज मोहम्मद को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने इनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। इनमें नाज मोहम्मद नाबालिग था, इसलिए उसकी फाइल किशोर न्याय बोर्ड भेज दी गई थी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने पुलिस जांच पर सवाल उठाए।

फास्ट न्यूज

वाराणसी में पकड़ी गई 4.25 करोड़ की जीएसटी चोरी

वाराणसी । बनारस रेल इंजन कारखाना (BLW) के पास उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा (SIB) ने 4.25 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी है। SIB ने रेलवे के ठेकेदार और टेंट हाउस पर कार्रवाई की है। यह कार्रवाई पकड़ने के लिए एसआईबी ने चार दिन तक छापेमारी जारी रखी और देर रात इसका खुलासा किया।

लक्षबर बजहा में स्वास्थ्य शिविर

बाराबंकी । बाराबंकी में ग्राम पंचायत लक्षबर बजहा के पंचायत भवन में डिवाइन धन्वन्तरी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, प्यारेपुर सरैंया के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में 53 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। चिकित्सकों ने मरीजों की रक्तचाप और ब्लड शुगर की निःशुल्क जांच की। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देने के साथ जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित कीं।

शिविर में डॉ. सौरभ श्रीवास्तव और डॉ. शालिनी शुक्ला ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया।

वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर गंगा में डूबे पुजारी

वाराणसी। वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर बुधवार को स्नान के दौरान गहरे पानी में चले जाने से 40 वर्षीय पुजारी रवि शर्मा गंगा नदी में डूब गए। घटना के बाद से ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर पुलिस और जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर लापता पुजारी की खोजबीन में जुट गई है।

वाराणसी में पुलिस को धक्का देकर शव ले भागे परिजन

पोस्टमार्टम का विरोध, डूबने से हुई थी मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल में बुधवार को शव के पोस्टमार्टम को लेकर परिजनों और पुलिस के बीच विवाद हो गया। परिजन पुलिस से खींचतान के बाद शव ई-रिक्शा पर रखकर अस्पताल से भाग गए।

मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली और सिगरा पुलिस ने घेराबंदी कर ई-रिक्शा को पकड़ लिया। इसके बाद शव को दोबारा कब्जे में लेकर कबीरचौरा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सुरक्षा के बीच उसे मोर्चरी में रखा गया है।

मलदहिया मलिन बस्ती निवासी राजू कुमार (35) की पिशाचमोचन कुंड में डूबने से मौत हुई थी। पुलिस और NDRF ने शव को बाहर निकाला था। परिजन पोस्टमार्टम का विरोध कर रहे थे। बुधवार सुबह राजू कुमार पिशाचमोचन कुंड में नहाने गया था। इस दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। सूचना मिलने पर पुलिस और NDRF की टीम मौके पर पहुंची और तलाश के बाद शव को बाहर निकाला।

सिगरा पुलिस शव को कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टरों ने जांच के बाद राजू को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस शव को मोर्चरी में रखवाने की तैयारी कर रही थी। परिजन पोस्टमार्टम कराने के लिए तैयार नहीं थे। इसी बात को लेकर अस्पताल में हंगामा शुरू हो गया।

पूजा कराने से नाराज था, 3 बच्चों को बंधक बनाया, कमांडो कार्रवाई में मारा गया

पत्नी-बेटे, दो पुजारियों को मारने वाले का एनकाउंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़ । यूपी के आजमगढ़ में पत्नी, बेटे और दो पुजारियों की हत्या करने वाला आरोपी एनकाउंटर में मारा गया। पकड़े जाने के डर से उसने अपने 3 बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। 7 घंटे बाद उसने बेटे पर गोली चला दी। इसके बाद ATS, SOG ने हत्यारे अरविंद सिंह (42) को मार गिराया।

घटना जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर अहिरौला थाना क्षेत्र की है।पुलिस के मुताबिक, परिवार को शक था कि अरविंद को उसके भाई सुनील की आत्मा परेशान कर रही है। इसलिए पत्नी और मां महामृत्युंजय जाप करा रही थीं। इससे अरविंद नाराज था। मंगलवार शाम 6 बजे इसी बात को लेकर पत्नी से बहस हुई।

कहा- तेरे चक्कर में मेरे भाई की हत्या हो गई। अब तू यहां ड्रामा कर रही है। इसके बाद उसने पुजारियों से आधार कार्ड मांगा और उनसे कहासुनी करने लगा। इसी बीच, गुस्से में कमरे से लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर आया, फिर पत्नी और दो पुजारियों को गोली मार दी। इसके बाद तीनों बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। सूचना मिलने पर 10 थानों की फोर्स पहुंची तो अरविंद बच्चों को मारने की धमकी देने लगा। मामला बिगड़ता देखकर ATS-SOG के 45 जवानों को बुलाया गया। टीम उसे सरेंडर करने के लिए समझाती रही। रात 1 बजे उसने बच्चे पर गोली चला दी। टीम ने स्मोक ग्रेनेड और टियर गैस छोड़ी और दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर घुसी। अरविंद ने रिवॉल्वर से जवानों पर 6 राउंड फायर किए। जवाबी कार्रवाई में मारा गया। मृतकों में अरविंद के अलावा पत्नी बबीता (40), बेटा शौर्य (9), पुजारी महेंद्र पाठक (60) और अखिलेश मिश्रा (55) शामिल हैं। अब परिवार में मां कमला देवी (70) और दो बेटियां परी (5) और शांभवी (7 महीने) बची हैं।

मृतक पुजारी महेंद्र पाठक का आजमगढ़ के दुर्वासा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। दोपहर 2 बजे पोस्टमॉर्टम के बाद उनका शव घर पहुंचा। शव देखकर परिवार वाले बेसुध हो गए।

भाई की 8 साल पहले हत्या हुई थी, बालासाहेब ठाकरे के गनर थे

शंभूपुर गहजी गांव का रहने वाला अरविंद कोई काम नहीं करता था।8 साल पहले उसके भाई सुनील की चचेरे भाइयों मनीष-अविनाश ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दरअसल, अरविंद की पत्नी बबीता का मनीष के साथ अफेयर था। इसका पता चलने पर सुनील ने मनीष के खिलाफ चोरी-छेड़खानी की शिकायत की थी। सुनील बालासाहेब ठाकरे के गनर थे।

37वें नौ दुर्गा महोत्सव की तैयारियां तेज

45 फीट ऊंचे भव्य दरबार में विराजेंगी नौ दुर्गा मां वैष्णो देवी की तर्ज पर तैयार हो रहा भव्य पहाड़ और दरबार

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। शारदीय नवरात्र को लेकर क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों की तैयारियां तेज हो गई हैं। बैरानामऊ मंझारी पंचायत के मोल्हेसिंह पुरवा गांव के स्थानीय कारीगरों की टीम रानीगंज में आयोजित होने वाले 37वें नौ दुर्गा महोत्सव एवं जागरण के लिए भव्य दरबार तैयार करने में जुटी है। इस बार भी आयोजन को आकर्षक और भव्य स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। आयोजन की अगुवाई बृजपाल सिंह (ज्ञानू सिंह) कर रहे हैं। कारीगरों के मुताबिक इस वर्ष रानीगंज में मां वैष्णो देवी के दरबार की तर्ज पर करीब 45 फीट ऊंचा भव्य पहाड़ और दरबार तैयार किया जा रहा है। इसी भव्य दरबार में मां दुर्गा की प्रतिमा विराजमान होंगी। दरबार को आकर्षक रूप देने के लिए पहाड़ की बनावट, गुफानुमा स्वरूप और सजावट पर विशेष काम किया जा रहा है। इसे देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। शाम होते ही रानीगंज का वातावरण भक्तिमय होने की उम्मीद है।आयोजन को लेकर आसपास के ग्रामीणों में भी उत्साह दिखाई दे रहा है। श्रद्धालु नवरात्र के दौरान मां दुर्गा के दर्शन के लिए रानीगंज पहुंचेंगे। नौ दुर्गा महोत्सव के साथ ही बृजपाल सिंह (ज्ञानू सिंह) की ओर से गरीब परिवारों के जोड़ों की शादी कराने का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार जरूरतमंद परिवारों के विवाह योग्य जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। इसके माध्यम से धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक सरोकार का संदेश भी दिया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि रानीगंज में होने वाला नौ दुर्गा महोत्सव क्षेत्र में लंबे समय से श्रद्धा और आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस बार 45 फीट ऊंचे भव्य दरबार के निर्माण के चलते आयोजन को लेकर लोगों में खासा उत्साह है।

> आयोजकों के अनुसार शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन यानी 11 तारीख से नौ दुर्गा महोत्सव का शुभारंभ होगा। नवरात्र के पूरे दिनों में मां दुर्गा के गुणगान, भजन-कीर्तन और जागरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

15 दिन में तैयार होगा भव्य दरबार

दरबार निर्माण में स्थानीय कारीगरों की करीब आठ सदस्यीय टीम दिन-रात मेहनत कर रही है। टीम में नौमीलाल सिंह, दुर्गेश सिंह, राजू चौहान, विष्णु चौहान, श्यामू, उमेश समेत अन्य कारीगर शामिल हैं। कारीगरों का कहना है कि करीब 15 दिनों में पूरे पहाड़ और दरबार को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इसके बाद सजावट और अन्य तैयारियों को पूरा किया जाएगा। कारीगरों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी दरबार को कुछ अलग और आकर्षक बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी के दरबार जैसी अनुभूति हो सके।

एरिया बंटवारे को लेकर किन्नरों के दो गुट भिड़े

गोरखपुर में 100 से ज्यादा लोग कोतवाली पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

गोला। गोरखपुर के बड़हलगंज कोतवाली परिसर में बुधवार को एरिया बंटवारे को लेकर किन्नरों के दो गुटों के बीच जमकर हंगामा हुआ। गोरखपुर और देवरिया से 100 से ज्यादा किन्नर कोतवाली पहुंच गए, जिससे करीब दो घंटे तक गहमागहमी रही।

बड़हलगंज की किन्नर गुरु लल्लन ने देवरिया की किन्नर सरोज पर इलाके में जबरन बधाई लेने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की थी। इसी मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों को बातचीत के लिए बुलाया था।

दोनों पक्षों के बीच पहले तो बहस हुई और बाद में मामला हंगामे में बदल गया। पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों में सहमति बनी। इसके बाद सभी लोग शांत हुए। पुलिस के मुताबिक, किन्नर गुरु लल्लन की शिकायत के बाद बुधवार को दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही गोरखपुर और देवरिया से बड़ी संख्या में किन्नर कोतवाली पहुंच गए।

बातचीत के दौरान बड़हलगंज क्षेत्र में बधाई लेने के अधिकार को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते बहस हंगामे में बदल गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की और बातचीत के जरिए मामला सुलझाने का प्रयास किया।

संकट : सरयू ने सिर्फ खेत नहीं छीने, जिंदगी का पूरा सहारा बहा ले गई

हेतमापुर की बदलती तस्वीर

तमसा संकेत, संवाददाता

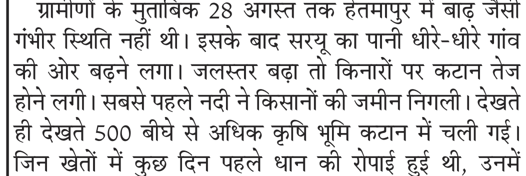

सूरतगंज (बाराबंकी)। सुबह वही सूरज वही है और सरयू के किनारे हवा भी पहले की तरह ही चल रही है। मगर हेतमापुर के लोगों के लिए अब सुबह का मतलब बदल गया है। पहले आंख खुलते ही किसान खेत की ओर देखते थे कि फसल कैसी है। अब उनकी नजर नदी के किनारे पर जाती है कहीं रातभर में कुछ और तो नहीं कट गया। पहले चिंता धान की फसल बचाने की थी। अब चिंता घर की बची हुई दीवार बचाने की है। पहले बच्चे स्कूल और किसान खेत की बात करते थे। अब परिवार यह सोच रहे हैं कि अगर घर और जमीन दोनों नहीं रहे तो अगली जिंदगी कहां से शुरू होगी। सरयू ने हेतमापुर में केवल मिट्टी नहीं काटी है। उसने लोगों की रोजी-रोटी, घर की सुरक्षा, धार्मिक स्थलों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य तक को सवालों के घेरे में ला दिया है। करीब एक महीने पहले तक गांव की तस्वीर दूसरी थी। खेतों में धान की रोपाई पूरी हो चुकी थी। खेतों के बाद सरयू आबादी की ओर बढ़ी। 5 सितंबर से मकानों के कटने का सिलसिला शुरू हुआ। पहले किनारों पर दरारें पड़ीं, फिर जमीन खिसकी और देखते ही देखते मकानों की नींव नदी के सामने कमजोर पड़ने लगी। 11 सितंबर को करीब 10 मकान एक साथ नदी में समा गए।।उस दिन हेतमापुर के लोगों ने बाढ़ और कटान का वह रूप देखा, जिसे शायद वे वर्षों तक याद रखेंगे। किसी ने घर का सामान निकाला, किसी ने दरवाजे उखाड़े, किसी ने खिड़कियां बचाईं तो किसी ने मकान की ईंटें तक निकाल लीं। यहां सबसे दर्दनाक बात यह नहीं थी कि लोग घर छोड़ रहे थे। दर्द यह था कि लोग अपने ही हाथों से अपने घर को छोड़ने से पहले उसके हिस्से अलग कर रहे थे। अब घर नहीं बचाना, जो बचा है उसे बचाना मकसद कटान की भयावहता ने ग्रामीणों की प्राथमिकता बदल दी है। पहले वे पूछते थे घर कैसे बचेगा? अब सवाल है घर में बचा क्या है जिसे सुरक्षित निकाल लिया जाए?

> किसान फसल की उम्मीद लगाए बैठे थे। घरों में रोजमर्रा की जिंदगी चल रही थी। मंदिर और मस्जिद के आसपास आवाजाही थी। फिर सरयू की धार बदली और गांव की कहानी भी बदल गई।

28 अगस्त के बाद बदली तस्वीर पहले खेत गए फिर घर

ग्रामीणों के मुताबिक 28 अगस्त तक हेतमापुर में बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति नहीं थी। इसके बाद सरयू का पानी धीरे-धीरे गांव की ओर बढ़ने लगा। जलस्तर बढ़ा तो किनारों पर कटान तेज होने लगी। सबसे पहले नदी ने किसानों की जमीन निगली। देखते ही देखते 500 बीघे से अधिक कृषि भूमि कटान में चली गई। जिन खेतों में कुछ दिन पहले धान की रोपाई हुई थी, उनमें किसान फसल की जगह पानी देखते रह गए। किसानों के लिए यह केवल जमीन का नुकसान नहीं है। खेत के साथ उनकी आने वाली कई महीनों की आमदनी भी चली गई। किसी की फसल गई तो किसी के लिए खेत ही भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी था।

नीले ड्रम में बिक रहा था चोरी का पेट्रोल-डीजल

गोरखपुर में पकड़े गए 4 टैंकर ड्राइवर, 90 रुपए लीटर बेच रहे थे तेल

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में नीले ड्रम में चोरी का पेट्रोल-डीजल भरकर बेचने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार शाम गिरफ्तार किया है। आरोपी 102 रुपए लीटर पेट्रोल का रेट कम कर 90 रुपये में बेच देते थे। चिलुआताल पुलिस और एंटी थेफ्ट की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। आरोपियों की पहचान महराजगंज जिले के पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर निवासी रामदेव, खोराबार के प्यासी बाजार निवासी तारकेश्वर, गुलरिहा के बेलवारायपुर निवासी शिव कुमार और चौरीचौरा के बंसहिया निवासी अनंत के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चोरी का तेल रखने के लिए हमेशा नीला ड्रम ही इस्तेमाल करते थे। इससे पकड़े जाने का खतरा कम था। चिलुआताल थाना प्रभारी सूरज सिंह ने बताया कि 21 सितंबर को उपनिरीक्षक आशीष सिंह पुलिस टीम के साथ मजनू चौकी क्षेत्र में गश्त और वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान जमुआड अंडरपास के पास टिनशेड में टैंकर सेडीजल-पेट्रोल चोरी किए जाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने मौके पर पहुंचकर टिनशेड की घेराबंदी की। वहां चार लोग टैंकर से पाइप के जरिये बाल्टी में पेट्रोल निकालते मिले। पुलिस ने मौके से चारों को पकड़ लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से पांच नीले ड्रमों में रखा करीब 600 लीटर पेट्रोल, 20 लीटर की प्लास्टिक बाल्टी, कीप, पाइप और टैंकर बरामद किया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जंगल कौड़िया-कालेसर फोरलेन किनारे जमुआड़ गांव के अंडरपास के पास पेट्रोलियम से भरे टैंकर अक्सर एक चहारदीवारी के अंदर जाते थे। आरोप है कि इसी दौरान टैंकर से तेल निकाला जाता था। इसके बाद टैंकर चहारदीवारी से बाहर निकलकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हो जाता था। करीब एक साल पहले यहां तेल चोरी का वीडियो भी वायरल हुआ था। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध तरीके से तेल खरीदने वाले लोग यहां पहुंचते थे और पांच से 15 रुपये प्रति लीटर सस्ता डीजल और पेट्रोल बेचा जा रहा था।

678 युवा पहुंचे रोजगार की तलाश में

चयन

अकबरपुर आईटीआई में विधानसभा स्तरीय रोजगार मेला

- 438 को मौके पर मिला चयन 17 कंपनियों ने लिया साक्षात्कार जिले और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे अभ्यर्थी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। नौकरी की तलाश में जुटे युवाओं के लिए बुधवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अकबरपुर में विधानसभा स्तरीय वृहद रोजगार मेला आयोजित हुआ। मेले में 678 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। विभिन्न कंपनियों की चयन प्रक्रिया के बाद 438 अभ्यर्थियों का ऑन-द-स्पॉट रोजगार के लिए चयन किया गया।

चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों की ओर से रोजगार से जुड़ी आगे की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा मौजूद रहे। चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी गईं और रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। रोजगार मेले के आयोजन में आईटीआई के नोडल प्रधानाचार्य चंद्रशेखर सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी, आईटीआई के कर्मचारियों, कौशल विकास मिशन और सेवायोजन विभाग की टीम ने सहयोग किया। अभ्यर्थियों के पंजीकरण, साक्षात्कार और चयन की प्रक्रिया के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

युवाओं को एक ही जगह मिले कई कंपनियों के विकल्प

मेले में जिले के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी युवा पहुंचे। विभिन्न कंपनियों के एक ही स्थान पर मौजूद रहने से अभ्यर्थियों को अपनी योग्यता के अनुरूप अवसर तलाशने का मौका मिला।

> मेले में कुल 678 युवाओं ने पंजीकरण कराया। कंपनियों की ओर से साक्षात्कार और चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 438 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। यानी पंजीकृत अभ्यर्थियों में से बड़ी संख्या चयन प्रक्रिया के अगले चरण तक पहुंची।

17 कंपनियां पहुंचीं, अलग-अलग पदों के लिए हुए साक्षात्कार

रोजगार मेले में देश और प्रदेश की 17 कंपनियों ने हिस्सा लिया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए। बड़ी संख्या में युवाओं ने अपनी शैक्षिक और तकनीकी योग्यता के आधार पर चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया। मेले में पंजीकरण से लेकर साक्षात्कार और चयन तक की प्रक्रिया एक ही परिसर में कराई गई। इससे अभ्यर्थियों को अलग-अलग कंपनियों में रोजगार के अवसर तलाशने का मौका मिला।

गृह जनपद पहुंचीं अल्पसंख्यक आयोग सदस्य नेहा खान

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत अटल भवन में हुआ स्वागत समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग की नवनियुक्त सदस्य और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रदेश मंत्री नेहा खान बुधवार को पहली बार गृह जनपद पहुंचीं। उनके आगमन पर जिले के विभिन्न स्थानों और भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।

अटल भवन में आयोजित कार्यक्रम में नेहा खान ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समाज तक सरकार की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए काम करने की बात कही। साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने की बात कही।

भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने नेहा खान का स्वागत करते हुए कहा कि जिले की कार्यकर्ता को प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग में सदस्य की जिम्मेदारी मिलना संगठन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नेहा खान लंबे समय से संगठन में सक्रिय हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आयोग की जिम्मेदारी के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को संबंधित स्तर तक पहुंचाने और योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका रहेगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने 8 सितंबर को अल्पसंख्यक आयोग में अध्यक्ष के साथ आठ सदस्यों की नियुक्ति की थी। नेहा खान को भी सदस्य बनाया गया है। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष पंकज वर्मा ने किया। इस दौरान जिला महामंत्री बाबा राम शब्द यादव, डॉ. विनोद कुमार, संतोष सिंह बबलू, राजकुमार सेठ, अंजू पाण्डेय, अभिषेक निषाद, जावेद मलिक, संजीव सिंह, नंद कुमार तिवारी राना, अरविंद सिंह डिंपू और सुल्तान समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

'सेवा की कहानी' लेकर लाभार्थियों के बीच पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। 'सेवा की कहानी' अभियान के तहत बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने लाभार्थियों से संवाद किया। फरीदपुर मोहल्ले में नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि और विकास निषाद ने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ ले चुके लोगों से बातचीत की।

लाभार्थी निर्मला, सरिता, मीना, तारा और विक्रम ने योजनाओं से मिले लाभ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने योजनाओं के प्रति संतुष्टि जताई।

वृद्धाश्रम में पेंशन अटकी, स्वास्थ्य जांच भी नहीं

अंबेडकरनगर। अकबरपुर स्थित वृद्धाश्रम में बुधवार को वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों को लेकर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसके बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीलम वर्मा ने वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ वृद्धजनों ने पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की। वहीं कुछ ने समय-समय पर स्वास्थ्य जांच नहीं होने की समस्या बताई।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने वृद्धजनों से बातचीत कर भोजन, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। वृद्धजनों ने अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं।

सांकेतिक भाषा से संवाद का संदेश

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंटरनेशनल वीक ऑफ डेफ पीपल 2026 के तीसरे दिन हुए कार्यक्रम में ईएनटी विभाग के नर्सिंग छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से बधिरता के प्रति जागरूकता और सांकेतिक भाषा के महत्व को सामने रखा गया।

शिक्षक एमएलसी चुनाव का बिगुल 23 अक्टूबर को मतदान

गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का कार्यक्रम जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के रिक्त पद पर चुनाव का कार्यक्रम घोषित हो गया है। इसके साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। जिलाधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर ईशा प्रिया ने बुधवार को चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर तय की गई है। नाम-निर्देशनों की जांच 7 अक्टूबर को होगी। प्रत्याशी 9 अक्टूबर तक नाम वापस ले सकेंगे।

इसके बाद 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूरी कराने का कार्यक्रम है। इन केंद्रों पर शिक्षक मतदाता 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान करेंगे।

निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही जिले के पूरे क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग के निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर संबंधित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

मकान गिरने के बाद बरियावन पहुंचे प्रभारी मंत्री प्रभावितों से किया सीधा संवाद

ग्रामीणों की समस्याएं सुन ओमप्रकाश राजभर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बरियावन-किछौछा मार्ग पर ग्रामीणों के आवास गिराए जाने के मामले में बुधवार को प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित परिवारों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने घटना के बाद पैदा हुई परेशानियों की जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने शासन और प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों से प्रकरण की स्थिति जानी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में मामले में कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित परिवारों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही पूरे प्रकरण में तथ्यों के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत मामले में त्वरित कार्रवाई की गई है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की ओर से संबंधित कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रकरण में जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रभावित परिवारों की शिकायतों और समस्याओं के निस्तारण में किसी तरह की लापरवाही न हो। मकान-दुकान प्रभावित होने से रोजी-रोजगार पर पड़े असर को देखते हुए प्रभारी मंत्री ने स्वरोजगार से जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि पात्र प्रभावित लोगों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत ब्याजमुक्त ऋण और 10 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। सरकारी योजनाओं के माध्यम से प्रभावित परिवारों को उपलब्ध सहायता दिलाने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मौके पर जिलाधिकारी ईशा प्रिया, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह मौजूद रहीं। पुलिस और प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौके पर रहे।

ईवीएम-वीवीपैट की सुरक्षा पर डीएम की नजर

वेयरहाउस में पहुंचकर जांची व्यवस्था

तमसा संकेत, संवाददाता

- कलेक्ट्रेट के वेयरहाउस में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुआ निरीक्षण, रखरखाव से लेकर सुरक्षा तक परखी गई व्यवस्था

अंबेडकरनगर। चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट में निरीक्षण हुआ। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक/आंतरिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में रखी ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के रखरखाव की स्थिति देखी गई। सुरक्षा व्यवस्था और वेयरहाउस की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों और मानकों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने वेयरहाउस की व्यवस्थाओं में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, डीसी एनआरएलएम और सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. महेश चंद्र द्विवेदी समेत संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे ।

आवास और स्कूल के कामों पर भी सवाल खड़ंजे का काम कागजों में दिखाने की शिकायत

सारंगपुर में बिना काम भुगतान का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

> ग्रामीणों ने आवास योजना के नाम पर पैसे मांगने का आरोप भी लगाया है। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय खरुवाव में बिना काम कराए धन के उपयोग का आरोप सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि इन मामलों की अलग-अलग जांच कराई जानी चाहिए।

अंबेडकरनगर। कटेहरी विकासखंड की सारंगपुर ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर भुगतान को लेकर सवाल उठे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अगस्त और सितंबर में कुछ ऐसे कार्यों के नाम पर मजदूरी और सामग्री का भुगतान किया गया, जो मौके पर हुए ही नहीं। खड़ंजा निर्माण का काम भी अभिलेखों में दिखाए जाने का आरोप है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

ग्रामीणों ने ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर दर्ज कार्यों की भी जांच कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि पुराने कार्यों को मरम्मत या रिपेयर के नाम पर दोबारा दर्शाकर भुगतान का रास्ता बनाया गया हो सकता है।

ग्रामीणों ने स्वीकृति पत्र, मस्टर रोल, भुगतान रिकॉर्ड, ई-ग्राम स्वराज पर अपलोड तस्वीरें, एस्टीमेट, एमबी और बिल-बाउचर की जांच कराने की मांग की है। पुराने और कथित मरम्मत कार्यों की तस्वीरों का मिलान कराने की भी मांग की गई है। ग्रामीणों ने ग्राम सचिव मांडवी उपाध्याय की पूर्व तैनाती को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि करीब चार वर्ष पहले टांडा विकासखंड में तैनाती के दौरान उनके जिम्मे रही पंचायतों में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग को लेकर जांच हुई थी। करीब 15 लाख रुपये की अनियमितता की पुष्टि किए जाने का भी दावा किया जा रहा है। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। ऐसे में पुराने प्रकरण से जुड़े अभिलेखों की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ग्रामीणों ने प्रशासन से सारंगपुर पंचायत के संबंधित कार्यों की अभिलेखीय और स्थलीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि मौके पर काम की स्थिति और सरकारी रिकॉर्ड का मिलान कराया जाए। यदि भुगतान में अनियमितता मिलती है तो जिम्मेदारी तय कर धनराशि की वसूली और नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

मौके पर काम नहीं, भुगतान पर सवाल

ग्रामीणों के मुताबिक पंचायत में कई कार्य कागजों पर पूरे दिखाए गए। आरोप है कि इनके लिए भुगतान की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई। मौके पर खड़ंजा या अन्य बड़े निर्माण कार्य दिखाई नहीं देने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि बड़े कार्यों की स्वीकृति नहीं हुई थी तो पंचायत में खड़ंजा निर्माण समेत अन्य कार्यों के लिए स्वीकृति और भुगतान किस आधार पर हुआ। हालांकि इन आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

काली पट्टी बांधकर बी-पैक्स सचिवों ने जताया विरोध

नियमित वेतन और राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नियमित वेतन और राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को लेकर जिलेभर के बी-पैक्स सचिवों ने बुधवार को जिला पंचायत सभागार में विरोध प्रदर्शन किया। सचिवों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई। प्रदर्शन की अध्यक्षता सचिव संघ के अध्यक्ष वशिष्ठ शुक्ला ने की। प्रदर्शन के बाद सचिव अपनी-अपनी समितियों पर काम करने के लिए लौट गए।

सचिवों का कहना है कि जिले की कई समितियों में लंबे समय से वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। नियमित वेतन नहीं मिलने से परिवार के भरण-पोषण में परेशानी हो रही है। सचिवों ने सरकार से नियमित वेतन की व्यवस्था करने और उन्हें राज्य कर्मचारी घोषित करने की मांग की।

सचिव संघ के महामंत्री जसवंत यादव ने कहा कि सचिव लगातार समितियों का काम करते हैं, लेकिन इसके बदले नियमित वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार से नियमित वेतन की व्यवस्था करने की मांग की।

सचिवों ने कहा कि विरोध के दौरान समितियों से जुड़े जरूरी कार्य प्रभावित नहीं किए जाएंगे। सभी सचिव काली पट्टी बांधकर अपने-अपने कार्यस्थल पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मांगों पर सुनवाई नहीं होने पर आंदोलन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया जाएगा।

सचिव संघ के जिला मीडिया प्रभारी नीरज त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश संगठन की ओर से जो भी दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, जिले के सचिव उनका पालन करेंगे।

सचिवों के मुताबिक, मांगों को लेकर एक दिन पहले लखनऊ में भी धरना दिया गया था। इसके बाद प्रदेश संगठन के आह्वान पर बुधवार को जिला मुख्यालय पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया गया।

सांकेतिक भाषा से संवाद का संदेश, नर्सिंग छात्रों ने नुक्कड़ नाटक से जगाई जागरूकता

मेडिकल कॉलेज में विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंटरनेशनल वीक ऑफ डेफ पीपल 2026 के तीसरे दिन हुए कार्यक्रम में ईएनटी विभाग के नर्सिंग छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से बधिरता के प्रति जागरूकता और सांकेतिक भाषा के महत्व को सामने रखा गया।

नर्सिंग छात्र-छात्राओं ने अभिनय के जरिए बताया कि श्रवण बाधित लोगों के साथ संवाद स्थापित करने में सांकेतिक भाषा महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रस्तुति में यह संदेश दिया गया कि सांकेतिक भाषा की जानकारी से श्रवण बाधित लोगों के साथ संवाद आसान हो सकता है और उन्हें सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने में मदद मिलती है।

मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि श्रवण बाधिता को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। लोगों को सांकेतिक भाषा समझने के लिए भी प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना की और दिव्यांगजनों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाने की बात कही।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बृजेश कुमार कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

अभियान : स्वच्छता ही सेवा अभियान में नगर पालिका की टीम ने वार्डवासियों से किया संवाद

शाहजहांपुर में घर से कचरा अलग करने का संदेश

- चार रंगों के डिब्बों का बताया उपयोग
- गीले-सूखे कचरे के साथ स्वास्थ्य और विशेष अपशिष्ट अलग रखने की दी जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वच्छता ही सेवा-2026 के तहत बुधवार को नगर पालिका परिषद अकबरपुर के वार्ड शाहजहांपुर में विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में घर से ही कचरे का पृथक्करण करने पर जोर दिया गया। नगर पालिका की आईईसी टीम और ट्रेनिंग पार्टनर मॉडर्न ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ने वार्डवासियों से सीधे संवाद कर कचरा प्रबंधन की जानकारी दी।

जागरूकता टीम ने नागरिकों को कचरे की प्रकृति के अनुसार अलग-अलग डिब्बों में रखने की जानकारी दी। हरा डिब्बा गीले कचरे के लिए बताया गया। इसमें फल-सब्जियों के छिलके, बचा भोजन और बगीचे का कचरा रखने की जानकारी दी गई। नीला डिब्बा सूखे कचरे के लिए है। इसमें कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु, गत्ता और पैकेजिंग सामग्री रखने को कहा गया। लाल डिब्बे में इस्तेमाल किए गए मास्क, दस्ताने, नैपकिन, डायपर और सैनिटरी पैड जैसे स्वास्थ्य संबंधी कचरे को रखने की जानकारी दी गई। काले डिब्बे में रसायन, पेंट, बैटरियां, इलेक्ट्रॉनिक कचरा और सिरिंज जैसे विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट को अलग रखने के बारे में बताया गया। अभियान में नगर पालिका की आईईसी टीम के साथ मॉडर्न ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की सरिता और निशा मौजूद रहीं। स्वच्छता प्रभारी इसराइल और ओम प्रकाश सुमन, स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी जसवंत सिंह यादव, सफाई नायक नितेश श्रीवास्तव समेत अन्य कर्मचारी और लोग मौजूद रहे।

डोर-टू-डोर वाहन को अलग-अलग दें कचरा

नगर पालिका की टीम ने वार्डवासियों से घर में ही कचरा अलग करने की अपील की। डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण वाहन आने पर संबंधित श्रेणी का कचरा अलग-अलग देने की जानकारी दी गई।

अभियान का उद्देश्य स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण के प्रति लोगों को जागरूक करना और कचरा प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाने में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना रहा।

कविता वाचन में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, मंच पर गूंजा काव्य पाठ

चार विद्यालयों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

तमसा संकेत, संवाददाता

- अलग-अलग वर्गों में विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

अंबेडकरनगर। तक्षशिला अकादमी रूट्स, अकबरपुर में अंतर-विद्यालयीय कविता वाचन प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें डिवाइन पब्लिक स्कूल अकबरपुर, भवदीय पब्लिक स्कूल अयोध्या, सेंट पीटर्स स्कूल अकबरपुर और तक्षशिला अकादमी रूट्स के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने कविता पाठ के दौरान भाव, लय और प्रभावशाली अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। निर्णायक मंडल में वागीश शुक्ल, दीपशिखा सिंह, ज्योति त्रिपाठी और संजीव कुमार सिंह शामिल रहे। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। कक्षा दो के बालक वर्ग में सेंट पीटर्स स्कूल के रुद्र तिवारी ने प्रथम, तक्षशिला अकादमी रूट्स के कनिष्क ने द्वितीय और भवदीय पब्लिक स्कूल अयोध्या के अभिनंदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में तक्षशिला अकादमी रूट्स की अन्वेषा प्रथम, सेंट पीटर्स स्कूल की इशिता चतुर्वेदी द्वितीय और डिवाइन पब्लिक स्कूल की दिव्या तृतीय रहीं।

सम्पादकीय

फूहड़ और विषाक्त होती राजनीति

इस दौर में राहुल गांधी का छात्रों की गूंज कार्यक्रम इसलिए अधिक चर्चा में रहा, क्योंकि इसमें एक कामेडियन को बुलाकर उससे प्रधानमंत्री मोदी की मिमिक्री कराई गई। राहुल गांधी इस कामेडियन के सहयोगी के रूप में उत्साहित होकर उसका साथ देते नजर आए। नेताओं, अभिनेताओं और अन्य नामचीन लोगों की मिमिक्री कोई नई-अनोखी बात नहीं है, लेकिन यह अजीब ही कहा जाएगा कि राहुल गांधी ने छात्रों के मुद्दों को उजागर करने के लिए अपने मंच पर एक कामेडियन को बुलाकर प्रधानमंत्री की मिमिक्री कराना पसंद किया। इस मिमिक्री के जरिये प्रधानमंत्री की विदेश नीति की रीति-नीति का मजाक उड़ाया गया। इसी क्रम में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की ओर से एक बुर्जुग महिला को कुर्सी देने के आग्रह का भी मजाक उडाया गया। यह निहायत भोंडा और जुगुप्सा पैदा करने वाला रहा। आखिर किसी बुर्जुग महिला को कुर्सी उपलब्ध कराने के सहज मानवीय व्यवहार का मजाक कैसे उड़ाया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगा।

आजकल कामेडी के नाम पर भोंडेपन की हद पार होने लगी है, लेकिन नेता-प्रतिपक्ष के मंच से ऐसा होना यह बताता है कि राजनीति किस तेजी के साथ स्तरहीन होती जा रही है। यह स्तरहीनता राजनीति को फूहड़ और विषाक्त ही बना रही है। इसमें सभी दलों का योगदान है, किसी का कम तो किसी का ज्यादा। राजनीतिक दल अब विरोधी दल को प्रतिस्पर्धी के स्थान पर शत्रु के रूप में देखने लगे हैं। उनके बीच का यह शत्रुभाव अब समाज में भी घर करने लगा है। राहुल गांधी के मंच से पहली बार प्रधानमंत्री और उनकी विदेश नीति का भद्दे तरीके से मजाक नहीं उड़ाया गया। कुछ समय पहले भी ऐसा ही हुआ था और तब इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी का अमर्यादित तरीके से उल्लेख किया गया था। यह उल्लेख कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने किया था और उनके ऐसा करने पर राहुल गांधी हंसते हुए दिखाई दिए थे।

कांग्रेस ने इस प्रसंग का भी बचाव किया था। यह किसी से छिपा नहीं कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री के खिलाफ किस तरह तू-तड़ाक वाली भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह उन्हें चोर, डरपोक आदि कह चुके हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे शब्दों का भी इस्तेमाल कर चुके हैं कि वह मुझसे आंख नहीं मिला सकता... डरता है। जब भाजपा राहुल गांधी के ऐसे कृत्यों और कथनों का विरोध करती है तो कांग्रेसजन उनका जोर-शोर से समर्थन करने के लिए आगे आ जाते हैं। इस पर कई बार भाजपा नेताओं की ओर से भी राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणियां की जाती हैं। इस तरह भारतीय राजनीति हर दिन पहले से अधिक स्तरहीन होती जा रही है और भाषा की मर्यादा की कोई परवाह नहीं कर रहा है।

आम तौर पर पहले चुनावों के दौरान ही राजनीतिक दलों के बीच एक-दूसरे के प्रति तीखी बयानबाजी होती थी और इस क्रम में कई बार अमर्यादित और अशालीन टिप्पणियां कर दी जाती थीं, लेकिन अब ऐसा सदैव होता रहता है और यहां तक कि संसद के भीतर भी। संसद के बाहर इसके कैसे दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं, इसका उदाहरण है बिहार में कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दिया जाना। कांग्रेस ने गाली देने वाले का बचाव तो नहीं किया, लेकिन उसे भाजपा का ही एजेंट करार दिया।

पिछले दिनों दिल्ली के जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को कैमरे के सामने जमकर भद्दी गालियां दी गईं। इस दौरान गालियों वाले पोस्टर भी नजर आए। गालियां देने वालों में लड़के-लड़कियां, दोनों थे। किसी भी विरोधी राजनीतिक दल ने इन गालियों का विरोध नहीं किया। काकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ताओं ने इन गालियों को हल्के मजाक की संज्ञा दी।

नारीवादियों ने प्रश्न किया कि क्या बुरा इसलिए लग रहा है कि जेन-जी लड़कियों ने मां-बहन की गालियां दीं? कुल मिलाकर गालीबाजी का बचाव ही किया गया। राजनीतिक मंचों पर भाषाई मर्यादा का उल्लंघन तो कभी-कभार ही देखने को मिलता है, सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों पर यह हर दिन देखने को मिल रहा है। राजनीतिक दलों के आईटी सेल वालों के बीच विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ भद्दी भाषा का इस्तेमाल करने और उनका भोंडे तरीके से मजाक उड़ाने की होड़ लगी है। इस काम में एआई का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है।

डिजिटल मीडिया पहले से ही विषाक्त था, राजनीतिक दलों के आईटी सेल वालों ने उसे और विषाक्त कर दिया है। भाषाई मर्यादा का उल्लंघन केवल कांग्रेस और भाजपा के नेताओं की ओर से ही नहीं किया जा रहा है।

> "भारत के संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समानता और न्याय का अधिकार दिया है। किसी व्यक्ति की जाति चाहे जो हो, वह सबसे पहले इस देश का नागरिक है। उसके अधिकार भी हैं और उसके कर्तव्य भी।

नकल रोकने वाला शिक्षक अपराधी कैसे बन गया?

आईआईटी बॉम्बे की घटना ने शिक्षा व्यवस्था, कानून, सामाजिक न्याय और संस्थागत जवाबदेही पर खड़े किए कई असहज सवाल

IIT बॉम्बे जैसे देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान से सामने आई साहिल वाकोड़े की मौत की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। एक युवा छात्र की मृत्यु कभी सामान्य घटना नहीं हो सकती। यह परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है और समाज के लिए आत्ममंथन का अवसर भी लेकिन इस घटना के साथ एक दूसरा प्रश्न भी खड़ा हुआ है—क्या किसी छात्र की मृत्यु के बाद हम बिना पूरी जांच के किसी शिक्षक को दोषी मान लें? और इसके विपरीत यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या किसी प्रतिष्ठित संस्थान का शिक्षक केवल इसलिए हर आरोप से मुक्त मान लिया जाए क्योंकि वह शिक्षक है? इन दोनों सवालों का उत्तर भावनाओं से नहीं बल्कि निष्पक्ष जांच, प्रमाण, कानून और न्यायिक प्रक्रिया से ही मिल सकता है।

आज IIT बॉम्बे में जो कुछ हुआ है, वह केवल एक छात्र और एक प्रोफेसर के बीच का विवाद नहीं है। यह भारतीय शिक्षा व्यवस्था के सामने खड़ा वह आईना है, जिसमें हमें एक साथ कई चेहरे दिखाई देते हैं—नकल की बढ़ती प्रवृत्ति, परीक्षा का दबाव, मानसिक स्वास्थ्य, जातिगत भेदभाव के आरोप, शिक्षक की जिम्मेदारी, संस्थागत जवाबदेही, कानून का प्रयोग और सोशल मीडिया की अदालत। यही कारण है कि इस घटना को केवल इस सवाल तक सीमित करना कि 'किसका पक्ष सही है', उचित नहीं होगा। असली सवाल यह होना चाहिए कि घटना की वास्तविकता क्या है और उस वास्तविकता तक निष्पक्ष तरीके से कैसे पहुंचा जाए। परीक्षा किसी भी शिक्षण व्यवस्था की विश्वसनीयता का आधार होती है। यदि कोई विद्यार्थी परीक्षा कक्ष में मोबाइल लेकर जाता है, प्रश्नपत्र को किसी AI प्लेटफॉर्म पर डालता है और उससे उत्तर प्राप्त करने का प्रयास करता है तो यह केवल उस विद्यार्थी की व्यक्तिगत गलती नहीं है। इससे उन सभी विद्यार्थियों के अधिकार प्रभावित होते हैं जो ईमानदारी से परीक्षा दे रहे हैं। IIT बॉम्बे के प्रारंभिक बयान के अनुसार साहिल वाकोड़े परीक्षा के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए थे और कथित तौर पर प्रश्नपत्र को ChatGPT पर डालकर उत्तर लेने का प्रयास किया गया था। संस्थान के अनुसार उस समय उनके खिलाफ औपचारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं हुई थी और उन्हें काउंसलिंग दी गई थी। यदि जांच में यह तथ्य सही साबित होता है, तो सवाल उठता है कि परीक्षा में नकल रोकने की जिम्मेदारी किसकी है? निश्चित रूप से शिक्षक और संस्थान की।

यदि शिक्षक नकल देखकर आंखें बंद कर दें तो ईमानदार विद्यार्थियों के साथ अन्याय होगा लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि शिक्षक को असीमित अधिकार मिल जाएं। शिक्षक को संस्थान के नियमों के भीतर रहकर कार्रवाई करनी चाहिए और छात्र की गरिमा तथा मानसिक स्थिति का भी ध्यान रखना चाहिए। अनुशासन और संवेदनशीलता दोनों साथ चलने चाहिए। शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक सफलता तभी संभव है जब नियमों का पालन भी हो और विद्यार्थी को एक इंसान के रूप में समझने की कोशिश भी की जाए।

इस घटना का सबसे संवेदनशील पहलू जातिगत आरोप हैं। साहिल के परिवार की ओर से प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला और संस्थान से जुड़े लोगों पर जातिगत उत्पीड़न तथा मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए गए हैं और पुलिस ने इन आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया है। इन आरोपों की जांच अभी जारी है और उन्हें न्यायिक रूप से सिद्ध तथ्य नहीं माना जा सकता। यहीं समाज को अत्यंत सावधान रहने की आवश्यकता है। SC/ST कानून ऐतिहासिक सामाजिक भेदभाव और अत्याचार से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यदि किसी व्यक्ति के साथ उसकी जाति के कारण अपराध होता है तो कानून का संरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन दूसरी ओर किसी कानून का अस्तित्व यह भी नहीं कहता कि किसी व्यक्ति को बिना जांच के दोषी मान लिया जाए। FIR जांच की शुरुआत होती है, अंतिम फैसला नहीं। किसी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना और न्यायालय द्वारा अपराध सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं।

यदि किसी SC/ST विद्यार्थी के साथ जातिगत अपमान होता है तो कानून उसकी रक्षा करे। यदि किसी OBC विद्यार्थी के साथ भेदभाव होता है तो कानून उसकी रक्षा करे। यदि सामान्य वर्ग के विद्यार्थी के साथ अन्याय होता है तो कानून उसकी रक्षा करे। और यदि किसी शिक्षक के खिलाफ झूठा आरोप लगाया जाता है तो उसे भी निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया का अधिकार मिलना चाहिए। न्याय का अर्थ किसी एक पक्ष को हराना या जिताना नहीं, बल्कि सत्य तक पहुंचना है।

यही कारण है कि इस घटना को किसी एक जाति के पक्ष या विरोध में खड़ा करना भी गलत होगा। भारत किसी एक जाति का देश नहीं है। भारत हर नागरिक का देश है। सामाजिक न्याय की आवश्यकता को स्वीकार करना और कानून के संभावित दुरुपयोग पर सवाल उठाना—दोनों बातें एक साथ संभव हैं। यदि किसी कानून के गलत इस्तेमाल की शिकायत है तो उसका समाधान कानून को खत्म करना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच, न्यायिक निगरानी और दोष सिद्ध होने पर उचित कार्रवाई है। उसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति के साथ वास्तव में जातिगत अत्याचार हुआ है तो उसकी शिकायत को केवल 'कानून का दुरुपयोग' कहकर खारिज करना भी न्यायसंगत नहीं होगा। प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला की शैक्षणिक पृष्ठभूमि को लेकर भी सोशल मीडिया पर कई दावे किए जा रहे हैं। IIT बॉम्बे की आधिकारिक प्रोफाइल के अनुसार वे Energy Science & Engineering विभाग में प्रोफेसर हैं। उनकी प्रोफाइल में Nagarjuna University से B.Tech, IIT Bombay से M.Tech और IIT Delhi से PhD की जानकारी दर्ज है। वे JEE Advanced से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी निभा चुके हैं और 2022 में Organising Chairman रहे हैं।

- अशोक कुमार झा

श्राद्ध की आत्मा ...

डॉ. घनश्याम बादल

स्वर्गीय पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का संकल्प एवं श्रद्धा का परिचायक है श्राद्ध पक्ष

इस वर्ष 26 सितंबर से पूर्णिमा के साथ श्राद्ध पक्ष की शुरुआत हो रही है यद्यपि पहला श्राद्ध प्रतिपदा 27 सितंबर को होगा। जहां भारत भर में श्राद्ध पक्ष विशेष श्रद्धा एवं भाव के साथ मनाया जाता है वहीं श्राद्ध की शुरुआत को लेकर विभिन्न परंपराएं मिलती हैं, महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म पितामह युधिष्ठिर को बताते हैं कि महर्षि अत्रि ने महर्षि निमि को श्राद्ध की विधि बताई और निमि ने उसका अनुष्ठान किया। इसके बाद अन्य ऋषियों ने भी पितृयज्ञ का अनुसरण किया। कथा का मूल संदेश महत्वपूर्ण है। निमि ने अपने मृत पुत्र की स्मृति में जो किया, वह आगे चलकर व्यक्तिगत शोक से निकलकर वंशगत कृतज्ञता के संस्कार में बदल गया। इसीलिए श्राद्ध का अर्थ केवल मृतक को भोजन कराना नहीं, बल्कि यह स्वीकार करना भी है कि हमारी वर्तमान पीढ़ी अपने से पहले की पीढ़ियों की देन है।

सामान्य पार्वण श्राद्ध में पिता, पितामह और प्रपितामह-अर्थात तीन पीढ़ियों के लिए तीन पिंडों का विधान प्रसिद्ध है। गरुड़ पुराण में भी पिता, पितामह और प्रपितामह के लिए पिंडों का उल्लेख मिलता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि इससे पहले के पूर्वजों का स्मरण निषिद्ध है। श्राद्ध-संकल्प व्यापक पितृगण के लिए हो सकता है। मनुस्मृति में योग्य ब्राह्मण को श्राद्ध कराने पर सात पीढ़ियों तक पितरों की तृप्ति का उल्लेख भी मिलता है। इसलिए विधि की दृष्टि से तीन पीढ़ियां प्रमुख पिंड-परंपरा हैं, जबकि पितृ-स्मरण का दायरा इससे व्यापक है।

श्राद्ध की आत्मा है—श्रद्धा, शुद्धता, संयम और सामर्थ्यानुसार अर्पण। सामान्यतः कुश या दर्भ, काले तिल, अक्षत, जल, चावल अथवा जौ, दूध, घी, मधु, फल, पुष्प, धूप-दीप आदि का उपयोग होता है। पिंड की सामग्री कुल-परंपरा और क्षेत्र के अनुसार बदल सकती है। यह आज की व्यावहारिक समस्या है। मनुस्मृति में भी योग्य ब्राह्मण उपलब्ध न होने की स्थिति में वैकल्पिक पात्रों का उल्लेख मिलता है। मित्र, नाना, मामा, गुरु, ससुर, जामाता आदि को भोजन कराने की व्यवस्था का उल्लेख है। केवल इसलिए श्राद्ध रोक देना कि आसपास ब्राह्मण उपलब्ध नहीं है, उचित नहीं। गरुड़ पुराण की परंपरा में अपात्रक श्राद्ध का भी उल्लेख है, जिसमें ब्राह्मणों को आसन पर बैठाने के स्थान पर कुश को प्रतिनिधि रूप में स्थापित करके विधि की जाती है।

आज की परिस्थिति में, यदि विधिवत पुरोहित उपलब्ध न हो तो परिवार अपनी परंपरा के जानकार आचार्य से संकल्प-विधि समझकर तर्पण, पिंडदान, पितृस्मरण, सात्त्विक भोजन और यथाशक्ति दान कर सकता है। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना भी कृतज्ञता की भावना को सार्थक करता है।

इसके लिए घबराने की जरूरत नहीं। पितृपक्ष में निर्धारित तिथि छूट जाए और बाद में ध्यान आए तो सर्वपितृ अमावस्या एक महत्वपूर्ण अवसर है। परंपरा में इस दिन ज्ञात-अज्ञात पितरों तथा छूटे हुए श्राद्धों के लिए तर्पण और श्राद्ध करने की व्यवस्था मानी जाती है। 2026 में सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। यदि यह भी संभव न हो तो अपने कुलाचार और स्थानीय आचार्य की सलाह से उपयुक्त अगली तिथि निर्धारित की जा सकती है।

तीर्थ-श्राद्ध का अपना विशेष महत्व है, लेकिन वार्षिक श्राद्ध और पितृपक्ष के तर्पण को उसका स्वतः विकल्प मानना उचित नहीं। यहां तक कि गया-श्राद्ध के बारे में भी धर्मपरंपरा में मत मिलता है कि उसके बाद भी वार्षिक और पार्वण श्राद्ध किए जाते हैं। गरुड़ पुराण में तीर्थश्राद्ध और गया श्राद्ध को अलग प्रसंग के रूप में रखा गया है। इसलिए उज्जैन में एक बार तर्पण से हमेशा के लिए श्राद्ध न करना अधिकतर धार्मिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

श्राद्ध कोई दंड नहीं है जिससे मुक्ति पाने के लिए कोई प्रमाणपत्र चाहिए। मृत्यु के बाद के प्रारंभिक संस्कार, सपिंडीकरण, वार्षिक श्राद्ध और पितृपक्ष के कर्म अलग-अलग प्रयोजनों से जुड़े हैं। सामान्यतः वार्षिक श्राद्ध को केवल कुछ वर्षों बाद बंद कर देने का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं है। कौन व्यक्ति कर्ता बनेगा, इसमें परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन हो सकता है। यदि पुत्र उपलब्ध नहीं है, तो परिवार की परंपरा और धर्मशास्त्रीय अधिकार के अनुसार अन्य निकट संबंधी यह दायित्व निभा सकते हैं। विशेष परिस्थिति में कुलपुरोहित से निर्णय लेना उचित है।

आज बेटा अमेरिका में है, बेटी बेंगलुरु में, माता-पिता किसी दूसरे शहर में और पुश्तैनी घर कहीं और।

मौनपालन ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

एकीकृत बागवानी विकास मिशन से मौनपालन बना किसानों की आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार

प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की आय में संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कृषि विविधीकरण एवं औद्यानिक विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। परंपरागत फसलों की सीमित लाभप्रदता और बढ़ती लागत के दृष्टिगत किसानों को आधुनिक तकनीकों, नकदी फसलों एवं सहायक कृषि व्यवसायों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी क्रम में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के अंतर्गत 'पॉलीनेशन सपोर्ट' 'बी.कीपिंग' (मौनपालन) कार्यक्रम किसानों और ग्रामीण युवाओं के लिए आजीविका का एक सशक्त और लाभकारी माध्यम बनकर उभरा है। मौनपालन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न केवल मधुमक्खी उत्पादों के माध्यम से किसानों को नियमित और अतिरिक्त आय उपलब्ध कराना है, बल्कि फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में गुणात्मक सुधार लाना भी है। योजना के प्रावधानों के तहत वैज्ञानिक पद्धति से मौनपालन को बढ़ावा देने के लिए प्रति व्यावसायिक इकाई 1.28 लाख रुपये का प्रत्यक्ष अनुदान प्रदान किया जाता है। यह वित्तीय सहायता पारदर्शी व्यवस्था के तहत डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) प्रणाली के माध्यम से सीधे लाभार्थी किसान के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है। इस इकाई के अंतर्गत 50 मौनवंश (हनी बी कॉलोनी), मौनगृह (बी-हाइव), शहद निष्कर्षण यंत्र और आवश्यक सुरक्षा उपकरण सम्मिलित किए जाते हैं। यह योजना भूमिहीन, लघु एवं सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो रही है, क्योंकि मौनपालन इकाई स्थापित करने के लिए अत्यधिक भूमि की आवश्यकता नहीं होती है। प्रक्षेत्र की मेड़ों अथवा अप्रयुक्त भूमि पर भी बक्से रखकर यह व्यवसाय सुगमता से संचालित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, मधुमक्खियों की सक्रियता से पर-परागण की प्राकृतिक प्रक्रिया तीव्र होती है, जिससे आसपास के खेतों में बोई गई सरसों, तोरिया, दलहनी फसलों और फल-सब्जियों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जाती है। इस प्रकार किसान को शहद, मोम और परागकण की बिक्री के साथ-साथ मुख्य फसलों की बेहतर पैदावार का दोहरा लाभ मिलता है। जनपद शाहजहांपुर में जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में इस योजना का धरातल पर सफल क्रियान्वयन कराया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा औद्यानिक विकास योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए इच्छुक किसानों को तकनीकी और वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र तथा विभागीय प्रक्षेत्रों के माध्यम से समय-समय पर जागरूकता एवं तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन कर किसानों को वैज्ञानिक प्रबंधन, कीट नियंत्रण और गुणवत्तापूर्ण शहद उत्पादन की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। जनपद शाहजहांपुर के विकास खंड एवं तहसील तिलहर अंतर्गत ग्राम ढका निवासी प्रगतिशील कृषक वेदराम (आत्मज श्री सियाराम) की सफलता इस योजना के सकारात्मक प्रभावों का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

जरा हटके

इसमें 64 हजार ...

आशिया खातून

प्रदेश की बेटियों के सम्मान और गरीब परिवारों की खुशियों का आधार बनी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों में बेटियों और महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। योजना न केवल विवाह के आर्थिक बोझ को कम कर रही है, बल्कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सम्मान के साथ अपनी बेटियों का विवाह संपन्न कराने का अवसर भी दे रही है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 5,71,963 जोड़ो का विवाह कराते हुए कल्याणकारी कार्य किये गये है। समाज में सर्वधर्म-समभाव तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने हेतु राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित की है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न समुदाय एवं धर्मों के रीति-रिवाजों के अनुसार वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाता है। योजना का यह भी उद्देश्य है कि विवाह उत्सव में होने वाले अनावश्यक प्रदर्शन एवं अपव्यय को समाप्त किया जाये। रू० 3,00,000/- वार्षिक आय सीमा के अन्तर्गत आने वाले सभी वर्गों के परिवारों को इस योजनान्तर्गत आच्छादित किया जाता है। सभी वर्गों के जरूरतमंद, निराश्रित परिवारों के कन्याओं के विवाह हेतु सामूहिक आयोजन किया जाता है। योजनान्तर्गत विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा महिलाओं के विवाह की भी व्यवस्था है। आर्थिक अभाव किसी बेटी के विवाह में बाधा न बने और गरीब परिवार भी अपनी बेटियों का विवाह सम्मान और गरिमा के साथ कर सकें, इसी उद्देश्य को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के प्रति प्रदेश के गरीब और जरूरतमंद परिवारों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक योजना के अंतर्गत 72,787 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत विवाह कार्यक्रमों में तेजी आई है। अब तक प्रदेश में 17,758 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा चुका है, जबकि पूरे वित्तीय वर्ष में 72,448 सामूहिक विवाह कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आवेदनों की जांच और पात्रता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया यह दर्शाती है कि प्रदेश सरकार इस योजना का लाभ वास्तविक पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। सरकार का जोर केवल अधिक से अधिक विवाह कराने पर ही नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने पर भी है कि सरकारी सहायता सही लाभार्थी तक पहुंचे और किसी भी स्तर पर अपात्र व्यक्ति इसका लाभ न उठा सके। प्रदेश सरकार के नेतृत्व में अब तक 5.72 लाख जोड़ो का विवाह सम्पन्न कराया गया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है कि प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसमें 64 हजार रुपये गृहस्थी बसाने, 21 हजार रुपये वैवाहिक उपहार सामग्री तथा 15 हजार रुपये विवाह समारोह की आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए निर्धारित हैं। यह सहायता गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संबल साबित हो रही है। विवाह के बाद नवविवाहित दंपती को नई गृहस्थी शुरू करने में भी मदद मिलती है। इस प्रकार योजना केवल विवाह की औपचारिकता पूरी करने तक सीमित नहीं है, बल्कि नवदंपती के जीवन की नई शुरुआत को आर्थिक आधार देने का भी प्रयास करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में जनकल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना भी इससे अछूती नहीं है। योजना में ई-केवाईसी के माध्यम से आवेदकों का सत्यापन किया जा रहा है। इसके साथ ही ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से आय और जाति प्रमाण पत्रों के डिजिटल सत्यापन की व्यवस्था प्रभावी की गई है। इससे पात्रता की जांच अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से हो रही है। शीघ्र ही आधार आधारित भुगतान व्यवस्था लागू किए जाने की तैयारी है। इसके लागू होने के बाद अनुदान की राशि पात्र लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में सीधे भेजी जाती है। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई और लाभार्थी को सरकारी सहायता प्राप्त करने में अधिक सुविधा होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का संकल्प है कि आर्थिक अभाव किसी बेटी के सम्मानजनक विवाह में बाधा न बने। सरकार का प्रयास है कि योजना का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ वास्तविक और पात्र परिवारों तक पहुंचे तथा तकनीक के माध्यम से सत्यापन व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को केवल विवाह सहायता की योजना के रूप में देखना इसके व्यापक सामाजिक उद्देश्य को सीमित करना होगा। यह योजना प्रदेश सरकार की उस व्यापक नीति का हिस्सा है, जिसके केंद्र में महिलाओं और बेटियों का सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता है। उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति जैसे अभियानों के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनकी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया है। महिला स्वयं सहायता समूहों के विस्तार ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का रास्ता खोला है। बेटियों के लिए शिक्षा से लेकर कौशल विकास तक विभिन्न स्तरों पर किए जा रहे प्रयासों का उद्देश्य यही है कि बेटी को परिवार पर आर्थिक बोझ के रूप में नहीं, बल्कि विकास की सहभागी के रूप में देखा जाए।

प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का एक प्रमुख उद्देश्य समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का अभियान हो, राशन की सुविधा हो, स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं हों या गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा और छात्रवृत्ति से संबंधित कार्यक्रम सरकार की नीतियों में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने पर जोर दिखाई देता है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बनकर उभरी है। विवाह जैसे सामाजिक अवसर पर होने वाला खर्च गरीब परिवारों के लिए कई बार बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे में सरकारी सहायता उन्हें आर्थिक दबाव से राहत देती है और बेटी के विवाह को सम्मानजनक तरीके से संपन्न कराने में मदद करती है।

स्थायी शांति के लिए भारत भूमि की ओर देखती है विश्व मानवताः मुख्यमंत्री

सोशल मीडिया ने प्रस्तुत किया अर्धसत्य का नया तथ्य : योगी

चुनौती

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में जब आचरण और विचार के बीच साम्यता प्रभावकारी होती है। व्यक्ति जब मनसा, वाचा, कर्मणा से एक दिशा में चलता है तो उसे सफलता प्राप्त होती है।

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान्य जीवन में व्यक्ति यह

तय नहीं कर पाता है कि सत्य क्या है और असत्य क्या है। आज के समय में सोशल मीडिया प्लेटफार्म ने सत्य और असत्य के बीच एक नया तथ्य प्रस्तुत कर दिया है, अर्धसत्य का, जो कभी सत्य नहीं होता। ऐसी स्थितियों में पूरी दुनिया की मानवता अवसाद की शिकार है, उसके सामने चुनौती है। सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि समारोह के उपलक्ष्य में बुधवार अपराह्न श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में व्यासपीठ का पूजन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज विज्ञान भले ही कितना ही आगे बढ़ चुका हो, लेकिन जीवन में स्थायी शांति के लिए विश्व की मानवता केवल भारत भूमि को ही देखती है। भारत भूमि पर पावन कथाओं की परंपरा कठिन चुनौतियों में व्यक्ति का मार्ग सुगम बनाने के लिए मार्गदर्शन करती है। पवित्र कथाओं के वाचन और श्रवण की परंपरा, हजारों वर्षों की विरासत को समझने का भी अवसर होती है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच निकली श्रीमद्भागवत महापुराण की शोभायात्रा

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ से पूर्व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में मुख्य मंदिर से कथा स्थल (दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार) तक शंख ध्वनि की गूंज तथा वेदपाठी विद्यार्थियों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महापुराण की शोभायात्रा निकाली गई।

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति के उपलक्ष्य में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

भक्ति, ज्ञान और निष्काम कर्म की प्रेरणा देती है श्रीमद्भागवत कथा

कथा व्यास मलूकपीठाधीश्वर श्री राजेंद्रदास जी महाराज का गोरक्षपीठ में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण के वाचन और श्रवण की परंपरा 5000 वर्ष पुरानी है। भारत का श्रद्धालु इस कथा के माध्यम से ज्ञान, भक्ति व निष्काम कर्म की प्रेरणा प्राप्त करता है। जीवन के उद्देश्य व रहस्यों को समझने के लिए यह कथा अत्यंत महत्वपूर्ण है। 5000 वर्ष पहले शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को इस कथा का श्रवण कराया, तबसे एक लंबा कालखंड बीत गया। सनातन संस्कृति ने सम-विषम परिस्थितियों सहित तमाम चुनौतियों का सामना किया। उत्थान-पतन की कहानियों के बीच भी यह कथा हम सबकी स्मृतियों में बची रही। यह कथा जीवन की वास्तविकता का एहसास करते हुए अज्ञानता से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

मुख्यमंत्री के संबोधन के उपरांत व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास, वृंदावन से पधारे मलूकपीठाधीश्वर श्रीमदजगद्गुरु द्वाराचार्य अग्रपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया। कथा प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से शाम 6 बजे तक सुनाई जाएगी। इसका विराम 29 सितंबर को होगा।

ट्रेड शो में प्रवाहित होगी संगम नगरी के हस्तशिल्प

प्रयागराज के 10 उद्यमी लगाएंगे 12 स्टाल

तमसा संकेत, संवाददाता

■ वैश्विक मंच पर पहचान बनाएगा प्रयागराज का मूंज हस्तशिल्प, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के इको फ्रेंडली उत्पादों का हुनर देखेगी दुनिया

प्रयागराज । ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' (यूपीआईटीएस) 2026 में संगम नगरी प्रयागराज के उद्यमी अपनी व्यापारिक क्षमता और हुनर की धमक दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रदेश सरकार की इस पहल से प्रयागराज के स्थानीय उद्यमियों, हस्तशिल्पियों और नवाचारियों को एक बड़ा ग्लोबल मंच उपलब्ध हो रहा है। इस वृहद आयोजन में प्रयागराज जनपद की भागीदारी हर साल बढ़ रही है। इस वर्ष जिले के 10 उद्यमी यूपीआईटीएस में हिस्सा लेंगे, जिनके लिए आवंटित स्टाल में जिले के उत्पादों का डंका बजेगा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में प्रयागराज के विभिन्न वर्गों के उद्यमियों को अवसर दिया गया है। उपायुक्त उद्योग शरद टंडन बताते हैं कि प्रयागराज से विभिन्न श्रेणियों मे इस बार दस प्रतिभागियों को अवसर दिया गया है। मेले में ओडीओपी (एक जनपद एक उत्पाद) श्रेणी के तहत 3 इकाइयों के स्टाल लगेंगे। इसके अलावा एमएसएमई मे 5 इकाइयां और 'नवोदित निर्यातक' श्रेणी में एक और ओडीओसी के लिए एक इकाई का चयन किया गया है, जिन्हें कुल 12 स्टाल दिए गए हैं। चयनित इकाइयों मे संगम नगरी के परंपरागत हस्तशिल्प, यहां के खानपान और परिधानों का मेल देखने को मिलेगा ।

फास्ट न्यूज

बैंक से आ रहे वॉट्सएप मैसेज से सावधान

लखनऊ । लखनऊ में साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। अब वॉट्सएप के जरिए बैंकिंग ट्रांजैक्शन के नाम पर फर्जी मैसेज भेजकर लोगों को डराने की कोशिश की जा रही है। लखनऊ क्राइम ब्रांच ने ऑपरेशन डिजिटल कवच के तहत इस नए तरीके को लेकर लोगों को जागरूक किया है।

शादी के 15 साल बाद मां बनी 38 की महिला

लखनऊ। KGMU के क्वीन मैरी हॉस्पिटल ने पोस्ट कोविड पहला IVF डिलीवरी कराने में सफलता हासिल की है। शादी के बाद 15 साल से बच्चे का इंतजार कर रही महिला ने 38 की उम्र में 20 सितंबर को बेटी को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। बहुत जल्द उनको अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। KGMU के इस IVF में करीब 80 हजार रुपए का खर्च आया है। इसी के लिए कॉरपोरेट हॉस्पिटल में डेढ़ लाख से तीन लाख या इससे भी ज्यादा का खर्च आता है। सफल IVF करने वाली प्रो. पुष्पलता शंखवार ने बताया कि अयोध्या निवासी दंपती करीब एक साल पहले KGMU में फर्टिलिटी का इलाज कराने पहुंचा।

रनिंग ट्रैक पर तड़पता रहा होमगार्ड अभ्यर्थी

लखनऊ। लखनऊ के महानगर स्थित पीएसी ग्राउंड में होमगार्ड भर्ती की दौड़ के दौरान योगेंद्र सिंह (25) की मौत के मामले में नया सीसीटीवी सामने आया है। फुटेज में योगेंद्र मुंह की ओर इशारा करते हुए जमीन पर गिरकर तड़पता दिख रहा है। उसके साथी उसे छोड़कर दूर चले जाते हैं। करीब एक मिनट तक योगेंद्र जमीन पर तड़पता रहा।

योगी सरकार में उद्योगों की जरूरत के अनुरूप बदलेंगे यूपी के आईटीआई

उद्योगों की मांग के अनुसार तैयार होंगे पाठ्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

■ योगी सरकार में उद्योगों की जरूरत के अनुरूप बदलेंगे यूपी के आईटीआई, आठ शहरों के क्लस्टर में लागू होगा पीएम-सेतु मॉडल

■ कानपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा के राजकीय आईटीआई क्लस्टर में उद्योग भागीदारी की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल विकास को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ने की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ा रही है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना के तहत प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उद्योग-आधारित कौशल विकास केंद्रों के रूप में विकसित करने की तैयारी है। इसके पहले चरण में प्रदेश के आठ शहरों- कानपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा के राजकीय आईटीआई क्लस्टरों में उद्योगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। योजना का उद्देश्य आईटीआई में दिए जाने वाले प्रशिक्षण और उद्योगों की मौजूदा व भविष्य की कौशल जरूरतों के बीच की दूरी को कम करना है। इसके लिए उद्योगों को केवल रोजगार देने वाली इकाई के बजाय प्रशिक्षण व्यवस्था के सक्रिय भागीदार के रूप में जोड़ा जाएगा। उद्योग पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण मानकों को अपडेट करने, आधुनिक तकनीक और उपकरणों को शामिल करने, प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने तथा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण तक में भूमिका निभाएंगे। इससे युवाओं को ऐसा कौशल उपलब्ध कराने पर जोर होगा, जिसकी सीधे उद्योगों में मांग है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पीएम-सेतु के क्रियान्वयन के लिए योगी सरकार ने कानपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा के राजकीय आईटीआई क्लस्टरों को उद्योगों से जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

व्यापार के साथ ही कला-संस्कृति का भी संगम बनने जा रहा यूपीआईटीएस

सांस्कृतिक रंगों से सराबोर होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026

स्थानीय कलाकारों को मिलेगा प्रोत्साहन, प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान भी होगी मजबूत

रंगारंग प्रस्तुतियों से सराबोर होगी मेगा आयोजन की हर शाम, लोकपरंपराएं भी होंगी प्रदर्शित

बालीवुड सिंगर मोनाली ठाकुर के गीतों से लेकर पद्मश्री पं. शिवनाथ मिश्र के सितार वादन का भी लुत्फ उठाएंगे श्रोता

आईटीएस को यादगार बनाएंगी देश और प्रदेश की नामचीन हस्तियां

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच देने के लिए इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 व्यापार व कला-संस्कृति का संगम बनने जा रहा है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक होने वाले इस मेगा आयोजन की हर शाम रंगारंग प्रस्तुतियों से सराबोर होगी। इसमें लोक परंपराओं से लेकर सुगम संगीत तक का संगम दिखेगा। शो में देश और प्रदेश के दिग्गज कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पांच दिवसीय सांस्कृतिक समारोह का शुभारंभ शंख वादन व स्वस्ति वाचन से होगा। यहां वॉलीवुड सिंगर मोनाली ठाकुर, लोकगीत गायिका मालविका हरिओम, पद्मश्री पं. शिवनाथ मिश्र का सितार वादन, भजन गायक ओमप्रकाश दुबे, दिग्गज कोरियोग्राफर- श्रीराम सांखला कलर्स ऑफ इंडिया के रंग बिखेरेंगे। बंदा बैरागी बैंड, सर्वत्र बैंड की प्रस्तुतियां भी आयोजन को यादगार बनाएंगी। योगी सरकार ने इंटरनेशनल ट्रेड शो को ऐसा मंच बनाने का प्रयास किया है, जहां उद्यमिता और निवेश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की समृद्ध कला और संस्कृति का भी प्रचार-प्रसार हो। यहां लोकधरोहरों की झलक दुनिया के सामने प्रस्तुत होगी, जिससे न सिर्फ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान भी मजबूत होगी।

सांस्कृतिक महाकुंभ का भी मिलेगा संदेश

योगी सरकार ने इंटरनेशनल ट्रेड शो को सिर्फ व्यापारिक आदान-प्रदान का मंच ही नहीं, बल्कि समृद्ध लोककलाओं और सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करने का भी अवसर बनाया है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा। पांच दिनों का यह कार्यक्रम राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि का जीवंत दस्तावेज होगा।

लघु एवं सीमांत किसानों को मिलेगा योजना का लाभ, काकोरी में हुआ सजीव प्रसारण

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना और भारत टैक्सी का शुभारंभ

कार्यक्रम में वक्ताओं ने सहकारिता के माध्यम से किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना को लघु एवं सीमांत किसानों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया गया। वहीं, भारत टैक्सी के शुभारंभ को सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी नई पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड (एलडीबी) की ओर से लघु एवं सीमांत कृषकों के लिए संचालित मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना तथा सहकारिता विभाग की भारत टैक्सी योजना का शुभारंभ बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री आवास से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10:30 बजे किया गया।

जनपद लखनऊ में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकासखंड काकोरी स्थित सभागार में कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक जिला सहकारी बैंक लिमिटेड लखनऊ के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह तथा सहसंयोजक सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता लखनऊ सुश्री वैशाली सिंह रहीं। सजीव प्रसारण कार्यक्रम में सहकारिता विभाग से जुड़े अधिकारियों, बी-पैक्स सचिवों और किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान सहकारी समितियों के सचिवों और किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। सम्मानित होने वालों में कृषक डोरी लाल, सदस्य नंदकिशोर, बी-पैक्स पहिया आजमपुर के सचिव राजेश कुमार, बी-पैक्स अनौरा कला के सचिव सुनील कुमार, बी-पैक्स गुडंबा के सचिव अंकुर पाल और बी-पैक्स लालगंज से जुड़े प्रतिनिधि शामिल रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार रावत रहे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिला अध्यक्ष विजय मौर्य, ब्लॉक प्रमुख नीतू यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव सिंह और जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर बिंदादीन शामिल रहे।

वाराणसी में पकड़ी गई 4.25 करोड़ की जीएसटी चोरी

लखनऊ। लखनऊ के KGMU में कार्यपरिषद की विशेष बैठक को लेकर कुलपति और कुलसचिव आमने-सामने आ गए हैं। 23 सितंबर को हो रही इस बैठक की प्रक्रिया पर कुलसचिव अर्चना गहरवार ने सवाल उठाते हुए इसे स्थगित करने की मांग की थी। इसके जवाब में कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने उन्हें पत्र भेजकर बैठक में शामिल होने और अपना पक्ष रखने को कहा है।

कुलसचिव ने 22 सितंबर को कुलपति को भेजे पत्र में कहा था कि कार्यपरिषद के सदस्य सचिव के तौर पर उनकी वैधानिक भूमिका सुनिश्चित किए बिना बैठक की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने KGMU अधिनियम-2002 और पहली परिनियमावली-2011 का हवाला देते हुए बैठक स्थगित कर नई तारीख तय करने की मांग की थी। वहीं, कुलपति ने कुलसचिव को बैठक में शामिल होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं।

योगी सरकार बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने में जुटी

एसएलडीसी के आधुनिकीकरण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में सुचारु, सुरक्षित और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने पर लगातार जोर दे रही है। इसी क्रम में प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं यूपी पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष रणवीर प्रसाद ने लखनऊ स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र के आवश्यक आधुनिकीकरण को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रणवीर प्रसाद ने एसएलडीसी की कार्य प्रणाली, रियल टाइम ग्रिड मॉनिटरिंग, स्काडा सिस्टम और लोड प्रबंधन की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सम्पूर्ण विद्युत व्यवस्था में एसएलडीसी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एसएलडीसी ही वह केंद्र है, जो प्रदेश के विद्युत भार (लोड) का रियल टाइम आंकलन एवं पूर्वानुमान करता है। उत्पादन केंद्रों से प्राप्त बिजली एवं वितरण निगमों की मांग के बीच संतुलन बनाता है। ग्रिड की फ्रीक्वेंसी को स्थिर रखता है तथा लाइनों को ओवरलोड होने से बचाता है। प्रमुख सचिव ने कहा कि ट्रिपिंग, ब्रेकडाउन की स्थिति में त्वरित रिस्टोरेशन एवं वैकल्पिक स्रोत से आपूर्ति सुनिश्चित करता है। नवीकरणीय ऊर्जा (सोलर/विंड) के एकीकरण एवं ए.बी.टी. मीटरिंग का प्रबंधन करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाला एक महीना गर्मी एवं अधिक मांग के दृष्टिकोण से चुनौतीपूर्ण है, इसलिए पूरी सावधानी के साथ लोड डिस्पैच किया जाए।

सर्च : लखनऊ में गणेश प्रतिमा विसर्जन करने गए थे, 2 की पत्नियां गर्भवती

सई नदी में डूबे तीनों व्यक्तियों के शव बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ के मोहनलालगंज में मंगलवार शाम गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सई नदी में डूबे तीनों व्यक्तियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बुधवार को एसडीआरएफ ने धीरज (35), हरिप्रसाद (40) और प्रमोद (22) के शव नदी से निकाल लिए। तीनों शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे गए। प्रमोद की तलाश में करीब तीन किलोमीटर के दायरे में सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

घटना मोहनलालगंज के जबरैला पुल के पास की है। यहां 5 किमी दूर से सिसेंडी गांव के लोग शाम 5 बजे गणेश प्रतिमा विसर्जन करने पहुंचे थे। तभी धीरज (35) नाम का युवक सई नदी में गहराई में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए 40 साल के हरिप्रसाद भी नदी में उतर गए। फिर वह भी पानी में डूबने लगे। इसी दौरान प्रमोद (22) भी नदी में चला गया। इसके बाद तीनों का कोई पता नहीं चला।

हादसे की सूचना पर पुलिस और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे थे। बाद में एसडीआरएफ की टीम नाव और बचाव उपकरणों के साथ पहुंची। अंधेरा होने के बावजूद रात में भी सर्च ऑपरेशन जारी रखा गया। बुधवार को धीरज और हरिप्रसाद के बाद प्रमोद का शव भी बरामद कर लिया गया।

लखनऊ से गुजरने वाली सई नदी में मंगलवार शाम 3 लोग लापता हो गए। वे लोग नदी में गणेश प्रतिमा विसर्जन करने गए थे। पता चलते ही घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस के साथ SDRF भी मौके पर पहुंची। नदी में लापता हुए तीनों लोगों की तलाश की जा रही है।

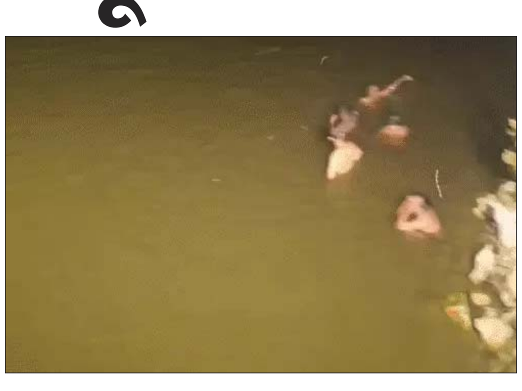

तीन किलोमीटर के दायरे में चला सर्च, तीसरा शव भी मिला

बीते मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे हुए हादसे के बाद SDRF की दो टीमों ने पूरी रात सई नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया। बुधवार सुबह धीरज और हरिप्रसाद के शव मिलने के बाद तीसरे युवक प्रमोद की तलाश तेज की गई। करीब तीन किलोमीटर के दायरे में सर्च के दौरान सुबह करीब 11:45 बजे SDRF टीम ने प्रमोद का शव भी बरामद कर लिया।

■ एसडीआरएफ ने दो के शव बरामद कर लिए है।

> घटना के करीब 6 घंटे बाद रात 11 बजे तक भी तीनों लोगों का पता नहीं चला। लापता धीरज की पत्नी अनिता का आरोप है कि काफी समय बीतने के बावजूद नदी में जाल नहीं लगवाया गया। अभी एक नाव के जरिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तलाश में तेजी नहीं दिखाई दे रही।

यूपीआईटीएस में काशी के हुनर को मिलेगा ग्लोबल बाजार

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखेगी बनारसी विरासत

तमसा संकेत, संवाददाता

■ 45 उद्यमी लेकर पहुंचेंगे बनारसी सिल्क, लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी समेत काशी के पारंपरिक और आधुनिक उत्पाद

■ 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण

वाराणसी। काशी अपनी प्राचीन विरासत, समृद्ध धरोहर, पारंपरिक हस्तशिल्प और आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए जा रहे उत्पादों को ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदर्शित करने के लिए तैयार है। 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में काशी के खानपान से लेकर पहनावे तक, घर की सजावट और पारंपरिक परिधान से लेकर दैनिक उपयोग के उत्पादों तक की विविधता देखने को मिलेगी। बनारसी सिल्क साड़ी, लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी, सॉफ्ट स्टोन जाली वर्क, हैंडमेड बनारसी सिल्क के विभिन्न उत्पाद और अन्य पारंपरिक उत्पादों के साथ आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप तैयार किए गए उत्पाद भी प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोजन के जरिए स्थानीय उद्यमियों और हस्तशिल्पियों को वैश्विक बाज़ार से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

45 उद्यमियों ने कराया पंजीकरण

जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त अभिषेक प्रियदर्शी ने बताया कि वाराणसी से 45 उद्यमियों ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, सूक्ष्म, एमएसएमई, जीआई उत्पाद, नए और पुराने निर्यातक,एक जिला एक व्यंजन तथा मुख्यमंत्री युवा योजना से जुड़ी महिला उद्यमी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ट्रेड शो में लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी, बनारसी सिल्क साड़ी समेत काशी के विभिन्न पारंपरिक और आधुनिक उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा।

कासगंज में ट्यूबवेल की छत पर लाश फेंकी ■ घर से जेवर, 3 लाख रुपए लेकर निकली थी

23 साल की लड़की की गला काटकर हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। कासगंज में 23 साल की लड़की की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इसके बाद लाश को ट्यूबवेल की छत पर फेंक दिया। लड़की की गला कटी लाश बुधवार को बरामद किया गया। लड़की मंगलवार रात करीब एक बजे से घर से लापता थी।

ट्यूबवेल का मालिक जब चिड़ियों को दाना डालने छत पर पहुंचा, तब उसकी नजर खून से लथपथ लड़की की लाश पर पड़ी। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉयड ने मौके से सबूत जुटाए। पुलिस के मुताबिक, लड़की का गला कटा हुआ था। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को जांच में शामिल किया गया है।

नेहा, मृतक

जिला मुख्यालय से 17 किलोमीटर दूर गांव अशोक नगर में रहने वाली नेहा का अपने घर से 500 मीटर गला कटा शव मिला। परिवार के मुताबिक, नेहा अपनी बड़ी बहन निशा को नशीला पदार्थ खिलाकर घर से करीब 3 लाख रुपए और जेवर लेकर भागी थी। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर घरवालों ने नेहा की तलाश शुरू की। घरवालों को बुधवार को ट्यूबवेल की छत पर लाश मिलने की सूचना मिली। घरवालों के अनुसार, नेहा 6 भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। उसकी बड़ी बहन निशा की शादी अक्टूबर में होनी थी।

भाई शाहरुख ने बताया कि वह पिता के साथ सब्जी बेचने का काम करता है। मंगलवार रात परिवार के लोग बीती रात 1:00 के बाद खाना खाकर सो गए थे, जिसके बाद उनकी बहन घर से निकल गई। रात 3 बजे देखा तो वो घर पर नही थी। शाहरुख ने बताया की घर से बहन नेहा 3 लाख रुपए और जेवर लेकर गई थी। हत्या किसने की, यह पता नहीं है।

सीसीटीवी से सुराग तलाश रही पुलिस

पुलिस नेहा के मोबाइल फोन से जानकारी जुटा रही है। उसके घर से निकलने के समय, तीन लाख रुपए और जेवर ले जाने की बात की भी जांच की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस उसके संपर्क में रहे लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाली जा रही है। एसपी ओपी सिंह ने बताया कि युवती का शव ट्यूबवेल की छत पर मिला है। फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम से घटनास्थल की जांच कराई गई है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घरवालों ने बताया कि मंगलवार रात घर से निकलने के बाद काफी देर तक नेहा वापस नहीं आई थी। इसके बाद परिवार ने आसपास और परिचितों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला।

■ मौके पर पहुंची पुलिस ट्यूबवेल की छत से शव को नीचे लेकर आई।

बिजनौर में बिजली चेकिंग के दौरान जेई को पीटा

केबल में कट लगाकर हीटर चलाते पकड़ा था

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। बिजनौर में बिजली चेकिंग करने गए जेई को लोगों ने जमकर पीटा। कपड़े फाड़ डाले। आरोपियों ने पहले कहासुनी की, फिर चारपाई पर बैठे जेई पर अचानक हमला कर दिया। लात-घूसे और थप्पड़ बरसाए। आरोपी जेई को 15 मिनट तक पीटते रहे। इसके बाद जेई को बंधक बना लिया। एक घंटे बाद पुलिस पहुंची और जेई को छुड़ाकर थाने ले गई। घटना 18 सितंबर को जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर चांदपुर थाना क्षेत्र में हुई थी। लेकिन इसका वीडियो 22 सितंबर को सामने आया। जेई की शिकायत पर प्रधान के पति समेत 30 पर FIR हुई है।

बागड़पुर गांव पावरहाउस है, जहां जेई सुदीप कुमार शर्मा तैनात हैं। 18 सितंबर को जेई विभागीय टीम के 10 कर्मचारियों के साथ गांव में बिजली

चेकिंग करने पहुंचे। चेकिंग के दौरान किसान संजीव के घर के मीटर की इनकमिंग केबल में कट लगा मिला। जांच में पता चला कि इसी कट से बिजली चोरी कर हीटर चलाया जा रहा था। घर के बाहर बनी दुकानों में भी इसी कट से बिजली का इस्तेमाल हो रहा था। टीम ने मौके की वीडियोग्राफी शुरू की तो विवाद हो गया। इसके बाद संजीव, ग्राम प्रधान के पति नवनीत और कुछ किसानों के साथ मिलकर जेई को पीटने लगा। जेई के साथी वीडियो बनाने लगे तो उनका मोबाइल छीन लिया और वीडियो डिलीट करा दिया।

फास्ट न्यूज

कानपुर में डांसर की संदिग्ध मौत बेड पर पड़ा मिला शव

कानपुर। कानपुर में बुधवार सुबह डांसर कृष्ण कुमार उर्फ कल्लू (21) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। युवक अपने कमरे में बेड पर अचेत पड़ा मिला। गले पर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने मोहल्ले के एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

जेल से थाना पहुंची दवा कारोबारी की हत्यारोपी बहू

कानपुर। कानपुर में दवा कारोबारी विनीत मिनोचा हत्याकांड के मामले में बुधवार को पुलिस ने तीनों हत्यारोपियों को रिमांड पर लिया है। दोपहर 12 बजे पुलिस हत्यारोपी बहू शालू, सुपारी किलर विशाल और राजकिशोर को 24 घंटे की रिमांड पर लिया है। तीनों को गाड़ी में बैठाकर पुलिस पूछताछ के लिए ले गई। हत्यारोपी बहू को प्राइवेट कार और नौकर व उसके दोस्त को पुलिस जीप में बैठाकर ले गई। इस दौरान बहू अपने दुपट्टे से चेहरा छिपाती रही।

ताजमहल में 83-साल के ब्राजीली टूरिस्ट को बंदर ने काटा

आगरा। आगरा के ताजमहल में पर्यटकों पर बंदरों के हमले थम नहीं रहे। बुधवार सुबह ताजमहल घूमने आए ब्राजील के 83 साल के टूरिस्ट पर बंदरों ने हमला कर दिया। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल के एक टूरिस्ट को भी बंदर ने काट लिया। दोनों घायलों को ताजमहल के पास डिस्पेंसरी ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया।

मुरादाबाद में घी से भरा टैंकर पलटा, लूटने की मची होड

बाल्टी-डिब्बे में भरकर ले गए राहगीर को बचाने में पलटा टैंकर

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद । मुरादाबाद में बुधवार दोपहर दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर वनस्पति घी (डालडा) से भरा टैंकर बेकाबू होकर पलट गया। हादसे के बाद टैंकर से घी सड़क पर फैल गया। इसकी खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बॉल्टी-डिब्बे लेकर घी भरकर ले जाने लगे।

घटना का वीडियो भी सामने आया है। ये हादसा बुधवार दोपहर करीब 12 बजे का है। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। हाईवे पर हादसे के बाद सड़क का नजारा कुछ ऐसा रहा कि जहां देखो, वहां वनस्पति घी ही फैला नजर आया। टैंकर से निकला घी कई मीटर तक सड़क पर बिखर गया। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कई लोग बाल्टी, डिब्बे और दूसरे बर्तन लेकर पहुंचे

और सड़क पर फैला घी भरकर ले जाने लगे। कुछ लोग घी के गाढ़े टुकड़े भी उठाते दिखाई दिए।

हादसे के कारण हाईवे पर कई वाहन रुक गए। मौके पर मौजूद लोग इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाते रहे। स्थिति को संभालने के लिए पुलिसकर्मी और क्रेन भी मौके पर पहुंची। टैंकर को हटाने के साथ सड़क पर फैले घी को साफ करवाया। एसपी सिटी रण विजय सिंह ने बताया- टैंकर हरियाणा से रुद्रपुर जा रहा था। मुरादाबाद में रामगंगा पुल पर सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश में चालक ने टैंकर को मोड़ा।

अश्लील वीडियो बनाया, फिर वायरल करने की दी धमकी, डर से खाया जहर

झांसी में गैंगरेप के बाद छात्रा ने की खुदखुशी

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में गैंगरेप के बाद 19 साल की BA छात्रा ने सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक, 20 सितंबर को छात्रा अपने बाड़े से उपले लेने गई थी। वहां पहले से मौजूद 6 युवकों ने उसे पकड़ लिया और कमरे में ले गए। आरोप है कि युवकों ने छात्रा के साथ गैंगरेप किया और उसका अश्लील वीडियो-फोटो बना लिया। इसके बाद किसी को घटना के बारे में बताने पर वीडियो-फोटो वायरल करने की धमकी दी।

घटना के बाद छात्रा काफी सहम गई। घर लौटकर उसने परिजनों को पूरी घटना बताई। बदनामी के डर से छात्रा ने चूहा मारने की दवा खा ली।

तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे गुरसराय सीएचसी लेकर पहुंचे। यहां इलाज के दौरान 22 सितंबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर 5 आरोपियों को हिरासत में लिया है। पूरा मामला गुरसराय थाना क्षेत्र का है। छात्रा की मां ने कहा- दुश्मनों ने मेरी बेटी को खा लिया। उसे बदनाम कर रहे थे, यह मेरी बेटी बर्दाश्त नहीं कर पाई। इसलिए उसने जहर खा लिया। वह मुझसे कह रही थी कि ये लोग मेरे बारे में झूठी बातें कह रहे हैं, तुम कुछ नहीं कह रही हो। मैंने उसे समझाया कि भैया को आने दो। हम पता करके सब संभाल लेंगे।

बदनामी के डर से छात्रा ने जहर खाया

छात्रा की शादी करीब 6 महीने पहले उरई में तय हुई थी। वह गुरसराय के एक महाविद्यालय में BA फर्स्ट ईयर में पढ़ती थी। परिवार में वह सबसे बड़ी थी। छात्रा के भाई के मुताबिक, 20 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे वह जानवरों के लिए चारा लेने बाड़े में गई थी। वहां सुशील और उसके 5 साथियों ने उसके साथ छेड़छाड़ की। घर लौटकर उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों ने आरोपियों के घर जाकर शिकायत की। इसके करीब एक घंटे बाद छात्रा दोबारा बाड़े में गई। आरोप है कि सुशील और उसके साथी वहां पहुंच गए और उसे पकड़कर कमरे में ले गए। परिजनों का आरोप है कि वहां सुशील ने उसके साथ रेप किया और फिर साथियों से भी दुष्कर्म कराया। इस दौरान अश्लील फोटो और वीडियो बनाए गए।

परिजनों का आरोप- गांव में घूमते रहे आरोपी

छात्रा के भाई ने बताया- घटना के बाद मेरी बहन घर आई तो बहुत सहमी हुई थी। वह रोते हुए कह रही थी कि सुशील ने उसका वीडियो बना लिया है और उसे वायरल कर देगा। मां ने उसे समझाया कि पापा के आने दो, इसके बाद थाने में शिकायत करेंगे। भाई के मुताबिक, इसके करीब 30 मिनट बाद छात्रा ने चूहा मारने की दवा खा ली। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद भी आरोपी युवक गांव में बेखौफ घूमते रहे।

गमछे में लिपटी थी डेढ़ साल की मासूम, बिजनौर में हत्या के बाद शव जलाया

महिला की अधजली लाश के बगल में बच्ची रोती मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

नूरपुर, बिजनौर । यूपी के बिजनौर में खेत में महिला की अधजली लाश मिली है। शव के बगल में डेढ़ साल की मासूम गमछे में लिपटी रो रही थी। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, महिला की हत्या कहीं और की गई। इसके बाद शव को खेत में लाकर जलाया गया। वारदात का पता बुधवार सुबह 7 बजे चला। सुबह टहलने निकले ग्रामीण ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी। पास जाकर देखा तो महिला की लाश के बगल में बच्ची पड़ी थी। इसके बाद शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया।

महिलाओं ने बच्ची को गोद में उठा लिया। फिर फोन कर पुलिस

को बुलाया। पुलिस ने बच्ची को अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। महिला की शिनाख्त अब तक नहीं हो पाई है। उसकी उम्र 20 से 25 साल बताई जा रही है। घटना नूरपुर थाना क्षेत्र के आलमपुर एडवा गांव की है। रामगंगा पोषक नहर से रोशनपुर गांव जाने वाले रास्ते पर गोहावर जैत गांव निवासी ध्यानपाल सिंह का खेत है। उन्होंने बताया- मैं रोज की तरह सुबह 7 बजे टहलते हुए अपने खेत पहुंचा। वहां मुझे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। पास जाकर देखा तो एक महिला की लाश पड़ी हुई थी।

बगल में बच्ची थी। मैंने उसे गोद में उठा लिया। फिर रास्ते से गुजर रही महिलाओं को बुलाया। उन्हें बच्ची सौंपकर पुलिस को सूचना दी। महिलाओं ने बच्ची को दूध पिलाकर चुप कराया। थोड़ी देर बाद थानाध्यक्ष प्रवेज कुमार पुलिस टीम के साथ पहुंचे। फिर फोरेंसिक टीम को बुलाया। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि बच्ची को जिंदा छोड़ने से लगता है कि हत्यारों का बच्ची से कोई करीबी रिश्ता हो सकता है।

■ पुलिस और फोरेंसिक की टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए।

> **थानाध्यक्ष प्रवेज कुमार ने बताया- महिला का शव करीब 40 प्रतिशत तक जला हुआ था। महिला का पेट और पैरों का हिस्सा झुलसा हुआ था। चेहरे पर चोट के निशान नहीं थे। महिला ने पैरों में बिछिया पहन रखी थी। इससे लगता है कि वह शादीशुदा थी और बच्ची उसी की है।**

पत्नी से परेशान युवक फेसबुक लाइव आकर गंगा में कूदा

बोला- उसे मुझे पत्नी कहने में शर्म आती है

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। कौशांबी में एक पति ने अपनी पत्नी से परेशान होकर गंगा में छलांग लगा दी। मरने से पहले युवक ने एक सुसाइड नोट भी लिखा और फेसबुक पर भी लाइव आया। युवक ने कहा- प्रिया जो मेरी पत्नी है, उसे मुझे पत्नी कहने में भी शर्म आती है। वो बहुत ही मक्कार किस्म की लड़की है।

मैं आज लाइव आया हूं। आज मेरे जीवन की लीला समाप्त हो जाएगी। मेरे मरने का कारण मेरे ससुराल वाले हैं। मैं आए दिन शिकयत करता रहा कि आप की बेटी ऐसी है, वैसी है, हमेशा नाटक करती रहती है।

लेकिन ये लोग इतने गिरे हुए हैं, अपनी बेटी की गलती कभी नहीं देखते हैं। मैंने इसकी शिकायत फैमिली थाने पर भी की थी। लेकिन अब कुछ नहीं हो पा रहा है।

इसलिए अब मैंने अपने जीवन का

अंतिम निर्णय ले लिया है। इन लोगों ने मेरे साथ मारपीट भी की है। ये लोग मुझे धमकाते हैं। मैं आज जा रहा हूं। इसके बाद युवक ने गंगा में छलांग लगा दी। हालांकि युवक को मछवारों ने बचा लिया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया और परिजनों को मामले की जानकारी दी। ये घटना कौशांबी के कोखराज थाना क्षेत्र के रोही गांव की है। युवक ने संदीपन घाट थाना क्षेत्र के बसेड़ी गांव के पास राम वन गमन पथ स्थित गंगा ओवरब्रिज के ऊपर से छलांग लगाई थी।

पृष्ठ 01 का शेष...

बरियावन की काली ...

20 सितंबर की रात बरियावन में 11 मकान-दुकानें गिराए जाने के मामले में मंगलवार को अकबरपुर के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, हल्का प्रभारी अजय कुमार, हेड कांस्टेबल संतोष कुमार पांडेय, कांस्टेबल उपेंद्र यादव और लेखपाल रोहित लाल पर निलंबन की कार्रवाई हुई थी। पुलिस के मुताबिक संबंधित पुलिसकर्मियों ने घटना की जानकारी होने से इन्कार किया था। इसे कर्तव्य में लापरवाही और प्रभावी पर्यवेक्षण की कमी से जोड़ा गया।

यहीं से चर्चा ने नया मोड़ लिया। लोगों के बीच सवाल उठने लगा कि जब थाना और हल्का स्तर के जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो गई तो सिटी सर्किल की निगरानी करने वाले अधिकारी पर फैसला क्यों नहीं हुआ। कुछ लोग सीओ सिटी की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाने लगे थे। हालांकि मंगलवार तक उनकी किसी भूमिका की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। मामले से जुड़े कथित ऑडियो और वीडियो भी सामने आए हैं। कथित ऑडियो में तीन जेसीबी और तीन लाख रुपये के लेनदेन का जिक्र होने का दावा किया गया है। एक वीडियो में कुछ लोगों के हाथों में लाठी-डंडे दिखाई देने की बात कही जा रही है। इन ऑडियो-वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जांच में पुलिस ने यह भी देखा कि जेसीबी किसने उपलब्ध कराई, उन्हें मौके तक कौन लेकर गया और ध्वस्तीकरण की योजना किस स्तर पर बनी।

जमीन मालिकों की भूमिका की भी जांच शुरू की गई। मामले में पुलिस ने तीन जेसीबी जब्त कीं और दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। यानी कार्रवाई सिर्फ मौके पर मौजूद लोगों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जेसीबी तक पहुंच गई।

आला अधिकारियों ...

पुलिस प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, अजीत वर्मा और इन्द्रजीत वर्मा ने दुकानों को गिराने के लिए राहुल चौधरी समेत अन्य लोगों को धनराशि उपलब्ध कराई थी। इसके बाद लोगों को बुलाकर दुकानों को गिराया गया।

मामले में पुलिस ने इन्द्रजीत पुत्र रामअजनुज वर्मा और राहुल चौधरी को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार घटना में प्रयुक्त तीनों जेसीबी मशीनों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

पुलिस की कार्रवाई में जेसीबी की बरामदगी के बाद अब जांच का अगला महत्वपूर्ण बिंदु जेसीबी के मालिकों, संचालकों और घटना में उनकी भूमिका को लेकर है। किसी घटना में किसी अधिकारी का केवल तबादला उसके लिए दंड नहीं माना जाता है। अगर इस घटना में सीओ अकबरपुर की जिम्मेदारी बनती है, तो उन्हें भी निलंबित कर उनके खिलाफ जांच और आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट बार ...

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच बीसीआई-पर्ल फर्स्ट ट्रस्ट के कामकाज और ट्रस्ट की ओर से लॉ कॉलेज खोलने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर BCI से दो हफ्ते में जवाब मांगा है।

बीसीआई-पर्ल फर्स्ट ट्रस्ट बार काउंसिल ऑफ इंडिया से जुड़ा एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट है, जिसका उद्देश्य कानूनी शिक्षा और रिसर्च को बढ़ावा देना तथा लॉ संस्थान स्थापित करना है।

विवाद की वजह यह है कि BCI खुद लॉ कॉलेजों को मान्यता/रेगुलेट करने में भूमिका निभाता है। ऐसे में उससे जुड़ा ट्रस्ट अगर खुद लॉ संस्थान चलाता है, तो क्या इससे नियामक और संस्थान चलाने वाली भूमिका आपस में टकराती हैं।

सुप्रीम कोर्ट इससे पहले BCI चेयरपर्सन मनन कुमार मिश्रा के पद को प्रो-टेम बता चुका है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि उन्हें कोई भी नीतिगत फैसला लेने से पहले भारत के अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से सलाह लेनी होगी।

जीरो कमीशन पर ...

इस अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता विभाग जेपीएस राठौर ने मुख्यमंत्री को उत्तर प्रदेश राज्य भंडारण निगम के लाभांश के रूप में दो करोड़ 69 लाख रुपये का चेक भी सौंपा।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर के नेतृत्व में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। प्रदेश में करीब 42 हजार सहकारी समितियां कार्यरत हैं। पैक्स के कंप्यूटरीकरण और ग्रामीण बैंकों के डिजिटलीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का सहकारिता मॉडल देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायी बन सकता है और भारत टैक्सी इस सहकारिता आंदोलन को मोबिलिटी के क्षेत्र में नई गति देने वाली महत्वपूर्ण पहल है।

भाजपा प्रत्याशी जन्म ...

हसीरानी रथ CM शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की मां हैं। 4 मई को बंगाल चुनाव के नतीजे आने के दो दिन बाद चंद्रनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस ने कहा कि अगर भाजपा प्रत्याशी की शैक्षणिक योग्यता से जुड़ी जानकारी गलत पाई जाती है तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाए। कांग्रेस की याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट गुरुवार को सुनवाई करेगा।

नंदीग्राम उपचुनाव में ममता बनर्जी के TMC गुट ने संचिता प्रधान डे को प्रत्याशी बनाया था। 18 सितंबर को उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया। उनके नाम वापस लेने के बाद ममता बनर्जी ने कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को समर्थन देने का ऐलान किया।

एसआईआर से जुड़े...

इनमें फॉर्म-6 में बदलाव, वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने-हटाने और वोटर डेटा से मुद्दे शामिल थे। CEC और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 18 के मुताबिक, आयोग का कामकाज जहां तक संभव हो, सर्वसम्मति से किया जाना चाहिए। अगर सदस्यों की राय अलग हो, तो मामला बहुमत की राय के आधार पर तय किया जाता है।

इधर, रिपोर्ट सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने विवाद को 'ज्ञानेशगेट' नाम दिया।

अप्रैल 2026 में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया था कि विपक्ष के 73 राज्यसभा सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए नोटिस दिया है। इसमें 'साबित कदाचार' का आरोप लगाया गया था।

पेपर लीक आरोपी का ...

CBI के मुताबिक, उसने परीक्षा के केमिस्ट्री के सवाल हासिल करने के लिए पीवी कुलकर्णी को कथित तौर पर 5 लाख रुपए दिए थे। P V कुलकर्णी परीक्षा के सवाल तैयार करने वाली NTA की टीम में शामिल थे। एजेंसी का आरोप है कि शिवराज का बेटा आदित्य, कुलकर्णी की कोचिंग क्लास में जाता था। शिवराज मोटेगांवकर फिलहाल जेल में है। नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट (अंडरग्रेजुएट), यानी NEET-UG, मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए NTA कराता है। पेपर लीक के आरोपों के बीच NTA ने 12 मई को 3 मई को हुई NEET-UG परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद 21 जून को दोबारा परीक्षा कराई गई। CBI ने पिछले महीने दिल्ली की नामित फास्ट-ट्रैक कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी।

'हम आतंकवाद ...

पेजेश्कियान ने कहा कि ईरान को अपने देश की रक्षा करने के लिए किसी की अनुमति या मंजूरी की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान ने 200 वर्षों से किसी पर हमला नहीं किया है, लेकिन अब हम पर क्षेत्र में अस्थिरता का स्रोत होने का आरोप लगाया जा रहा है और हमें आतंकवादी कहा जा रहा है।

सेंटनर की कप्तानी में 16 खिलाड़ी

भारत के खिलाफ टी 20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित

घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 5 मैचों की T20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। मिचेल सेंटनर टीम की कप्तानी करेंगे। तेज गेंदबाज एडम मिल्ने की एक साल से ज्यादा समय बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। वहीं, कंधे की चोट के कारण रचिन रवींद्र T20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड ने टीम में 7 तेज गेंदबाजों को जगह दी है।

यह सीरीज भारत के न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा है। दोनों टीमों के बीच पहला टी-20 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा। 5 मैचों की सीरीज 11 दिन में 4 शहरों में होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 5 वनडे और 2 टेस्ट भी खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, इस साल की शुरुआत में भारत से टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल हारकर रनर-अप रही टीम के 13 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। चोट के कारण वर्ल्ड कप नहीं खेल सके माइकल ब्रेसवेल और एडम मिल्ने की वापसी हुई है।

फिन एलेन और टिम सीफर्ट T20 वर्ल्ड कप के बाद पहली बार न्यूजीलैंड के लिए पारी की शुरुआत कर सकते हैं। वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एलेन ने 33 गेंदों पर नाबाद शतक लगाया था। सीफर्ट ने 33 गेंदों पर 58 रन बनाए थे।

सीफर्ट ने हाल ही में 'द हंड्रेड' में 168 के स्ट्राइक रेट से 394 रन बनाए। उन्हें टूर्नामेंट का प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, भारत के 12 मैचों के दौरे को लेकर फैंस में काफी रुचि है। पहले T20 के करीब एक महीने पहले ही सीरीज के 76 हजार से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं।

न्यूजीलैंड का T20I स्क्वॉड

मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, बेवोन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नेथन स्मिथ।

एक साल बाद मिल्ने की वापसी, रचिन बाहर

कंधे की चोट के कारण रचिन बाहर

रचिन रवींद्र दाएं कंधे की चोट के कारण T20 सीरीज नहीं खेलेंगे। पिछले हफ्ते एक प्रमोशनल शूट के दौरान उनका कंधा डिस्लोकेट हो गया था। उनके रिहैबिलिटेशन में करीब 6 हफ्ते लगने की संभावना है।

रचिन 4 नवंबर से ऑकलैंड के ईडन पार्क में शुरू होने वाली वनडे सीरीज से वापसी का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। तेज गेंदबाज बेन सीअर्स भी टखने की चोट से उबर रहे हैं। इसलिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली।

एक साल बाद लौटे मिल्ने

34 साल के मिल्ने ने आखिरी इंटरनेशनल मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला था। उनके पास 243 T20 मैचों का अनुभव है, जिसमें 56 इंटरनेशनल मुकाबले शामिल हैं।

मिल्ने के साथ लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन और जैकब डफी जैसे अनुभवी पेसर टीम में हैं। जैक फॉल्क्स और नेथन स्मिथ को भी स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

दिल्ली से उत्तर प्रदेश लीग तक मैच फिक्सिंग की आहट

डीडीसीए ने मांगा बीसीसीआई से मार्गदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यों में शुरू हुई लीग में भी फिक्सिंग की गूंज सुनाई दे रही है। जहां दिल्ली क्रिकेट लीग (डीपीएल) में फिक्सिंग के आरोपों से तहलका मच गया है तो वहीं उत्तर प्रदेश टी-20 लीग में भी एक खिलाड़ी की शिकायत एंटी करप्शन यूनिट ने दी थी जिसके बाद उसे इस साल खत्म हुई लीग से पहले ही निकाल दिया गया था।

डीपीएल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाड़ी की ओर से फिक्सिंग की पेशकश की शिकायत और पूर्व रणजी खिलाड़ी रचित भाटिया के स्टिंग आपरेशन में किए गए दावों ने डीडीसीए की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मामले में डीडीसीए ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से मार्गदर्शन मांगा है। हालांकि, डीडीसीए ने स्पष्ट किया है कि स्टिंग में लगाए गए आरोप अभी सत्यापित नहीं हैं और किसी खिलाड़ी या

फ्रेंचाइजी को दोषी नहीं माना जा सकता। वहीं उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एंटी करप्शन यूनिट ने मेरठ मेवरिक्स के खिलाड़ी ऋतिक वत्स को लेकर शिकायत की थी। इस कारण से वत्स को इस साल लीग शुरू होने से पहले ही बाहर कर दिया गया था। ऋतिक कई साल तक मेरठ टीम के सदस्य रहे हैं। उन्होंने 14 सितंबर 2024 को मेरठ मेवरिक्स के लिए आखिरी मैच खेला था। यूपीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि हमने बीसीसीआई के एंटी करप्शन के अधिकारियों को लीग में लगाया है।

कुमार कुशाग्र का ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ शतक पडिक्कल आउट

रिटायर्ड हर्ट से वापसी के बाद सेंचुरी पूरी की, तनुष की फिफ्टी

लंदन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र ने 113 रन की पारी खेली। पहले दिन रिटायर हर्ट होकर मैदान से बाहर जाने के बाद उन्होंने दूसरे दिन वापसी की और 202 गेंदों पर शतक पूरा किया।

उनके अलावा तनुष कोटियान ने 69 और साई सुदर्शन ने 57 रन बनाए। कप्तान देवदत्त पडिक्कल 14 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया-ए की टीम पहली पारी में 334 रन पर ऑलआउट हो गई।

कुमार कुशाग्र ने भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने छठे विकेट के लिए तनुष कोटियान के साथ 266 गेंदों पर 138 रन की साझेदारी की।

तनुष कोटियान ने अर्धशतक लगाया, लेकिन उसे शतक में नहीं बदल सके। उन्होंने एक छक्का और 4 चौकों की मदद से 68 रन बनाए।

भारत की पहली पारी में ओपनर साई सुदर्शन ने 3 चौकों की मदद से 57 रन बनाए। अमन मोखाड़े 6 रन बनाकर आउट हुए।

शेख रसीद का बल्ला भी नहीं चला। वह 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए।

कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने निराश किया। वह काफी अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं, लेकिन पहली पारी में सिर्फ 3 रन बना सके।

भारत ए को 'त्रिमूर्ति' के अर्धशतकों ने शुरुआती झटको से उबारा

पुडुचेरी। टेस्ट बल्लेबाज साई सुदर्शन, कुमार कुशाग्र और तनुष कोटियन ने शानदार अर्धशतक के दम पर शुरुआती झटकों के बावजूद भारत-ए ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ए के विरुद्ध चार दिन के पहले मैच के शुरुआती दिन पांच विकेट पर 257 रन का संतोषजनक स्कोर बनाया। कोटियन (68 नाबाद) और कुशाग्र (82) ने छठे विकेट के लिए 138 रन जोड़े। दिन का खेल खत्म होने तक कोटियन और शम्स मुलानी (10) क्रीज पर डटे हुए थे।

सुदर्शन ने भी एक महीने से ज्यादा समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद 103 गेंदों में 57 रन बनाकर अपनी वापसी को यादगार बनाया, लेकिन मेजबान टीम दूसरे सत्र में 97 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में थी, तभी कोटियन और कुशाग्र ने टीम को संभाला। शानदार फॉर्म में चल रहे कुशाग्र ने ऑस्ट्रेलिया-ए के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण में शामिल ब्रेंडन डॉगेट और टॉड मर्फी का डटकर सामना किया।

एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीता, बोलीं- इससे बराबरी का मौका मिला

आयुष्मान खुराना ने शूटर मेघना सज्जनार को गिफ्ट की राइफल

- वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी 2 ब्रॉन्ज
- बेहतर इक्विपमेंट की कमी बनी थी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने भारतीय शूटर मेघना सज्जनार को मॉडर्न राइफल स्पॉन्सर की है। बेहतर इक्विपमेंट की कमी से जूझ रहीं मेघना को आयुष्मान की मदद से वर्ल्ड क्लास राइफल से ट्रेनिंग का मौका मिला। इसके बाद मेघना ने हाल ही में दिल्ली की कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में हुई एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में गोल्ड और इंडिविजुअल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। मेघना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। उन्होंने 2022 और 2025 की ISSF वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

मेघना ने कहा कि राइफल ने उनके लिए 'बराबरी का मैदान' तैयार किया। इससे वह बिना समझौते के ट्रेनिंग कर सकीं और दुनिया के बेहतरीन शूटर्स का सामना कर पाईं।

एशियन चैंपियनशिप में भी उन्होंने टीम इवेंट में गोल्ड और व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। मेघना के पास ट्रेनिंग के लिए बेहतर इक्विपमेंट नहीं था। आयुष्मान को उनकी परेशानी की जानकारी मिली तो उन्होंने व्यक्तिगत पहचान के बिना उनकी मदद की। राइफल मिलने से मेघना को बेहतर इक्विपमेंट के साथ तैयारी करने का मौका मिला।

'उन्होंने मुझे जाना तक नहीं, सिर्फ भारत को जीतते देखना चाहते थे'

मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि आयुष्मान उन्हें पहले से नहीं जानते थे और दोनों की कभी मुलाकात भी नहीं हुई थी। उन्होंने लिखा कि आयुष्मान सिर्फ इतना चाहते थे कि कोई भारतीय एथलीट दुनिया के बड़े मंच पर देश का नाम रोशन करे।

मनोरंजन

ट्रोलिंग वाले बयान पर बोले- जिंदगी में इतने पॉजिटिव काम हैं, तो नेगेटिव चीजों में क्यों पड़ें

सलमान के बयान पर विवेक का रिएक्शन

नई दिल्ली। विवेक ओबेरॉय ने सोशल मीडिया ट्रोलिंग को एक नेगेटिव एक्टिविटी बताया और लोगों से इससे बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि ट्रोलिंग के बजाय लोगों को पॉजिटिव एक्टिविटी पर फोकस करना चाहिए। दरअसल, बॉलीवुड क्रॉनिकल के साथ बातचीत के दौरान विवेक ओबेरॉय से पूछा गया कि सलमान खान ने ट्रोलिंग को लेकर बयान दिया है, इस पर आपका क्या कहना है? इसके जवाब में विवेक ने कहा, "मुझे लगता है कि ट्रोलिंग नहीं करनी चाहिए। ट्रोलिंग एक नेगेटिव चीज है। जिंदगी में करने के लिए इतने पॉजिटिव काम हैं, तो नेगेटिव चीजों में क्यों पड़े हो?" गौरतलब है कि सलमान खान और विवेक ओबेरॉय के बीच विवाद बॉलीवुड के सबसे चर्चित विवादों में गिना जाता है। दोनों के बीच तनाव की शुरुआत ऐश्वर्या राय से जुड़े रिश्ते को लेकर हुई थी। 2003 में विवेक ओबेरॉय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सलमान खान पर फोन करके धमकाने और परेशान करने के आरोप लगाए।

ऋचा चड्ढा ने सलमान खान के बयान की तारीफ की

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने सलमान खान के इस रुख की तारीफ की है। न्यूज18 से बातचीत में ऋचा ने कहा कि उन्हें पहले सलमान के बयान के बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन इसके बारे में जानकर उन्हें अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि ऐसी बात कहना एक बड़ी और उदार सोच को दिखाता है और लोगों को ट्रोलिंग पर ध्यान नहीं देना चाहिए। ऋचा ने उन पुरुषों पर भी सवाल उठाया जो महिलाओं के शरीर और उनके लुक्स को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष महिलाओं के बिना अस्तित्व में नहीं आ सकते, क्योंकि हर व्यक्ति मां की कोख से जन्म लेता है। उनके मुताबिक, अगर कोई मांओं का मजाक उड़ाता है, तो उसका असर उल्टा पड़ सकता है।

सलमान खान ने ट्रोलिंग पर नाराजगी जताई

सलमान खान ने हाल ही में टीवी शो 'बिग बॉस 20' में सोशल मीडिया ट्रोलिंग, बॉडी-शेमिंग और एज-शेमिंग पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा था कि सोशल मीडिया आज गेमिंग, कंटेंट क्रिएशन और वीडियो एडिटिंग जैसे क्षेत्रों में रोजगार और पहचान का जरिया बन चुका है, लेकिन इसका एक नकारात्मक पहलू ट्रोलिंग भी है। सलमान ने सवाल उठाया था कि किसी दूसरे व्यक्ति को अपमानित करके पैसा कमाने की जरूरत क्यों पड़ती है। उन्होंने कहा कि लोग सोशल मीडिया पर किसी के शरीर, वजन, लुक्स, परिवार, उम्र, मुस्कान, करियर या निजी जिंदगी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हैं। उन्होंने ट्रोलर्स से पूछा था कि जिस व्यक्ति को वे गाली दे रहे हैं, वे नहीं जानते कि वह निजी तौर पर किन परिस्थितियों से गुजर रहा है।

कुछ देर पहले पत्नी सुनीता अकेले पहुंची थीं, अनन्या पांडे ने पिता के साथ किए दर्शन

गोविंदा रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी संग लालबागचा राजा पहुंचे

नई दिल्ली। गोविंदा मंगलवार शाम रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी स्वर्णकार के साथ मुंबई के लालबागचा राजा पहुंचे। दोनों ने बप्पा के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। दोनों के अफेयर के रूमर्स फिर तेज हो चुके हैं, क्योंकि गोविंदा और रानी से कुछ देर पहले ही सुनीता आहूजा अकेले दर्शन करने पहुंची थीं। जबकि पिछले साल तक गोविंदा-सुनीता साथ गणेशोत्सव सेलिब्रेट करते आए हैं। दर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। गोविंदा और कोमल रानी ने पंडाल में प्रसाद चढ़ाया। दोनों ने पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। पुजारी ने दोनों के माथे पर तिलक लगाया। दर्शन के बाद गोविंदा ने बाहर मौजूद फैंस से हाथ हिलाकर मुलाकात की।

गोविंदा और रानी स्वर्णकार से कुछ समय पहले ही सुनीता आहूजा भी लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंची थीं। सुनीता अकेले ही अपनी सिक्योरिटी टीम के साथ पहुंची थीं। वहीं दूसरी तरफ मैनेजर ने सुनीता के इस रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि वो परिवार का तमाशा बना रही हैं। एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में मैनेजर शशि सिन्हा ने कहा, "अदालत जाने की कोई जरूरत नहीं थी। घर की बातें घर में रहकर, बैठकर बात करके सुलझ सकती हैं। जब आज याचिका वापस ही लेनी थी, तो फिर केस किया ही क्यों था? मुझे इस बात का बहुत दुख है कि बिना वजह हम सब तमाशा बन गए।" मैनेजर ने बताया कि दोनों के बीच का विवाद पिछले लगभग डेढ़ से दो साल से मीडिया में चल रहा था।

सुनीता का दावा- कोमल रानी से शादी करने वाले थे गोविंदा

सुनीता आहूजा ने दिसंबर 2025 में गोविंदा से तलाक की अर्जी दाखिल की थी, हालांकि 19 अगस्त को उन्होंने अर्जी वापस ले ली है। इस दौरान राखी सावंत से कॉल पर बात करते हुए सुनीता ने दावा किया है कि तलाक के बाद गोविंदा कोमल से शादी करने वाले थे, यही वजह है कि उन्होंने तलाक का केस वापस ले लिया है। सुनीता आहूजा 19 अगस्त को मुंबई के बांद्रा फैमिली कोर्ट पहुंचीं। बेटे यशवर्धन भी उनके साथ थे। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने बातचीत में कन्फर्म किया कि सुनीता ने तलाक का केस वापस ले लिया है, जो उन्होंने दिसंबर 2024 में दायर किया था।

ट्रेंडिंग चार्ट में छा गया हिमेश रेशमिया का लेटेस्ट गाना

श्रेया घोषाल की आवाज का जादू, करोड़ों में व्यूज

नई दिल्ली, एजेंसी

यूट्यूब पर हिमेश रेशमिया (Himesh Reshammiya) का एक गाना आया जिसने आते ही म्यूजिक ट्रेंडिंग चार्ट में धमाका कर दिया। यह गाना जब से आया है, तभी से वायरल हो रहा है। दो दिन में ही गाने को करोड़ों लोगों ने सुन लिया है।

हिमेश रेशमिया का ये गाना 'गनमास्टर जी9' (Gunmaaster G9) का नहीं, बल्कि सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' (Yeh Prem Mol Liya) का है।

हाल ही में, फैमिली ड्रामा 'ये प्रेम मोल लिया' (Yeh Prem Mol Liya Title Track) का टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया। यह एक सूदिंग रोमांटिक सॉन्ग है जिसे शरवरी और आयुष्मान खुराना पर फिल्माया गया। फिल्म का टाइटल ट्रैक हिमेश रेशमिया ने बनाया है। उन्होंने ही गाने की धुन तैयार की है। वहीं, गाने के बोल कुमार (Kumaar) ने लिखे हैं जो 'बेबी डॉल', 'रुला के गया इश्क' और 'तू भी रोएगा' जैसे गाने लिख चुके हैं। इस गाने को श्रेया घोषाल (Shreya Ghoshal) और निहाल तौरो ने आवाज दी है। दोनों की आवाज में यह गाना दिल को सुकून पहुंचाता है। यूं तो यह गाना 20 सितंबर को ही रिलीज कर दिया गया था, लेकिन इसकी दीवानगी अब भी खत्म नहीं हो रही है। यह गाना इस वक्त यूट्यूब के म्यूजिक ट्रेंडिंग चार्ट में नंबर 27 पर ट्रेंड कर रहा है। इसे 2 करोड़ से ज्यादा सुना जा चुका है और हर मिनट नंबर्स बढ़ रहे हैं। सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' एक फैमिली ड्रामा हैं, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा फिल्म में अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन, शाद रंधावा जैसे स्टार्स मुख्य भूमिकाओं में हैं।

एर्दोगन बोल रहे थे, अल-शरा फोन में रील्स स्क्रॉल कर रहे थे अल-शरा इस साल दूसरी बार यूएन महासभा में शामिल हुए

यूएन में भाषण के दौरान इंस्टाग्राम चलाते दिखे सीरियाई राष्ट्रपति

भाषण

न्यूयॉर्क, एजेंसी

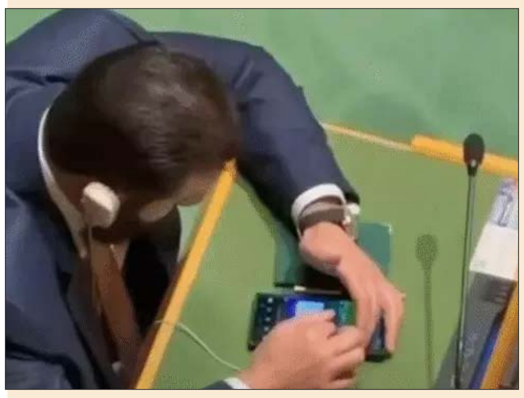

अल-शरा का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा- "राजनीतिक भाषण कभी-कभी बोरिंग हो सकते हैं। सीरियाई राष्ट्रपति यूएन महासभा के 81वें सत्र में इंस्टाग्राम स्क्रॉल करते दिखे।"

सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में भाषण के दौरान फोन चलाते दिखे। वीडियो में वे फोन पर इंस्टाग्राम रील्स स्क्रॉल करते और उन्हें शेयर करते नजर आए। इस दौरान तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन भाषण दे रहे हैं। अल शरा के इंस्टाग्राम चलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। अल-शरा इस साल दूसरी बार UN महासभा में शामिल हुए हैं। 2025 में वे करीब 60 साल बाद UNGA में दुनिया के नेताओं को संबोधित करने वाले सीरिया के पहले प्रतिनिधि बने थे।

अहमद अल-शरा जनवरी 2025 में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ सैन्य विद्रोह कर उन्हें सत्ता से हटा दिया गया था। इसके अलावा इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के स्पीच के दौरान भी कई देशों के डेलिगेशन ने मास वॉकआउट किया। अहमद अल-शरा ने 2003 में मेडिकल की पढ़ाई छोड़ अल कायदा नेताओं के संपर्क में आए। उन्हें अमेरिकी सेना ने 2005 में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जेल से छूटने के बाद अल-शरा ने अल कायदा की सीरिया शाखा जबात अल-नुस्र का गठन किया। अलकायदा से जुड़े अल-शरा को अमेरिका ने 2013 में आतंकियों की सूची में डाला था। उन पर 10 मिलियन डॉलर यानी लगभग 84 करोड़ रुपए का इनाम था। 2016 में वह अल कायदा से अलग हो गए और हयात तहरीर अल-शाम (HTS) की स्थापना की। दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के पतन के बाद जुलानी ने सत्ता संभाली। इसके बाद दुनिया को उनके असली नाम का पता चला।

पूर्व ब्रिटिश पीएम जॉनसन फोन चलाते पकड़े गए थे

ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन भी 2016 में UN में फोन चलाते हुए नजर आए थे। उस वक्त वे ब्रिटेन के विदेश मंत्री हुआ करते थे। बोरिस जब फोन चला रहे थे, उसी दौरान तत्कालीन ब्रिटिश पीएम थेरेसा मे भाषण दे रही थीं। UN की लाइव कवरेज में कैमरा कई बार ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल की तरफ गया। हर बार जॉनसन हाथ में मोबाइल लिए दिखाई दिए और कभी-कभी ही भाषण की तरफ देखते नजर आए। द इंडिपेंडेंट के मुताबिक जॉनसन ने काफी समय फोन पर मैसेज भेजने में बिताया।

यूएन में ट्रम्प के भाषण के दौरान क्यूबा ने वॉकआउट किया

UNGA में भाषणों के दौरान प्रतिनिधिमंडलों का वॉकआउट भी देखने को मिला। ट्रम्प ने क्यूबा को फेल्ड स्टेट कहा तो क्यूबा का प्रतिनिधिमंडल हॉल से बाहर चला गया। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने ट्रम्प पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि क्यूबा को एक संप्रभु और स्वतंत्र देश होने का अधिकार है। तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन के भाषण के दौरान भी इजराइली प्रतिनिधिमंडल ने वॉकआउट किया। एर्दोगन ने अपने भाषण में गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई और नीतियों की आलोचना की।

'व्हाइट हाउस में आने-जाने की सुविधा विशेषाधिकार

ट्रंप द्वारा पत्रकारों पर बैन की डीओजे ने बताई वजह

वाशिंगटन, एजेंसी

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी फेडरल कोर्ट में एक अहम कानूनी दलील पेश की और कहा, 'राष्ट्रपति के पास सुरक्षा कारणों से पत्रकारों को व्हाइट हाउस परिसर में आने से रोकने का संवैधानिक अधिकार है।' न्याय विभाग ने तर्क दिया कि व्हाइट हाउस में प्रवेश पाना पत्रकारों का अधिकारी नहीं बल्कि एक विशेषाधिकार है।

वाशिंगटन की अदालत में दाखिल आधिकारिक दस्तावेजों में न्याय विभाग ने प्रशासन के इस कदम का बचाव किया। उन्होंने दलील देते हुए कहा कि संविधान का फर्स्ट अमेंडमेंट प्रेस की स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह पत्रकारों को बिना अनुमति व्हाइट हाउस या संवेदनशील सरकारी परिसरों में प्रवेश करने का असीमित अधिकार नहीं देते है। राष्ट्रपति के पास गोपनीय जानकारी और राष्ट्रीय सुरक्षा की सुरक्षा की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। रिपोर्टिंग के नाम पर संवेदनशील जानकारियां लीक करने से सुरक्षा ढांचा प्रभावित होती है। प्रशासन का कहना है कि पत्रकारों का प्रवेश प्रतिबंधित करने के पीछे दो मुख्य कारण हैं पहला व्यावसायिकता के न्यूनतम मानकों को लागू करना और गोपनीय जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करना। व्हाइट हाउस प्रेस कार्यालय ने CNN, MS NOW और POLITICO को लिखे पत्रों में कहा कि राष्ट्रपति ने उनके हार्ड पास रद करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर व्यावसायिकता और शिष्टाचार के मानकों का उल्लंघन किया था।

फास्ट न्यूज

पाकिस्तान के कोहाट में हुए आत्मघाती धमाके में इस्तेमाल हुआ था 869 किलो विस्फोटक

पेशावर। पिछले हफ्ते पाकिस्तान के कोहाट जिले में हुए आत्मघाती धमाके में 870 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें 16 पुलिसकर्मियों समेत 21 लोगों की मौत हो गई थी। चरमपंथियों ने 18 सितंबर को जुमे की नमाज के दौरान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट में एक मस्जिद के पास विस्फोटक से लदी गाड़ी में धमाका किया और पास के पुलिस ठिकानों पर हमला बोला।

इधर ट्रंप करते रहे ईरान के साथ अच्छी बातचीत का दावा, उधर होर्मुज में हो गए धमाके

वॉशिंगटन। एक तरफ जहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ पहली बार सीधी बातचीत की तो वहीं दूसरी तरफ ईरानी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में केशम द्वीप के पास धमाके की आवाज सुनी गई। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर लगभग सात महीने से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए जल्द ही कोई समझौता नहीं हुआ तो वे इस इस्लामिक देश को पूरी तरह खत्म कर देंगे।

जर्मनी में अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-16 क्रैश

बर्लिन। जर्मनी से एक बड़ी और हैरान करने वाली खबर सामने आ रही है। यहां पश्चिमी जर्मनी स्थित स्पैंगडाहलेम एयर बेस पर अमेरिका का एक अत्याधुनिक लड़ाकू विमान F-16 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा इतना भीषण था कि विमान जलकर पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया। हालांकि गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में पायलट की जान बाल-बाल बच गई।

27 सितंबर को रविवार के दिन भी बैंक खुले रहेंगे

देशभर में 3 दिन की हड़ताल से पहले सरकार का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर में सभी बैंक इस हफ्ते रविवार को भी खुले रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने जानकारी दी है कि RBI ने 27 सितंबर को देश की सभी बैंक शाखाओं, दफ्तरों और एटीएम-लिंक ब्रांचों समेत सभी सर्विसेज को पूरी तरह चालू रखने की मंजूरी दी है।

यह कदम यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस यानी UFBU की 28 से 30 सितंबर 2026 तक प्रस्तावित तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए उठाया गया है। हड़ताल से ठीक पहले 26 सितंबर (शनिवार) और 27 सितंबर (रविवार) को वीकेंड की छुट्टियां पड़ रही थीं। ऐसे में लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सर्विसेज बाधित होने का खतरा बना हुआ था। सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि जनता की जरूरी बैंकिंग जरूरतों पर लंबे समय तक असर न पड़े, इसे सुनिश्चित करने के लिए सभी सरकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार, 27 सितंबर को सामान्य रूप से काम करेंगे।

रिजर्व बैंक ने सभी शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम-लिंक ब्रांचों और करेंसी चेस्ट्स को इस दिन पूरी तरह चालू रखने की मंजूरी दी है। सरकार ने कहा कि बैंक ग्राहकों को सुविधा देना हमारी प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधनों ने बैंक यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने की अपील की है।

ईरान की शर्त- अमेरिका दबाव घटाए तो होर्मुज खोलने तैयार, ट्रम्प बोले- फिर मिलेंगे

न्यूयॉर्क में अमेरिका-ईरान के बीच तीन घंटे बातचीत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

UN जनरल असेंबली के दौरान मंगलवार को न्यूयॉर्क में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई।

इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल हुए। कतर के अधिकारियों ने इसकी मध्यस्थता की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि बातचीत अच्छी रही और दोनों पक्षों की जल्द ही एक और बैठक होगी।

ट्रम्प ने मंगलवार को UN में ईरान को धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अब दो रास्ते हैं, अमेरिका के साथ डील करे या फिर गंभीर सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहे। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान के साथ समझौता नहीं हुआ और संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका ईरान को तबाह कर सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सामने शांति समझौते या दोबारा सैन्य कार्रवाई का विकल्प है।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अपनी ताकत के जरिए शांति कायम करना चाहता है। उन्होंने ईरान से बातचीत की मेज पर लौटने और होर्मुज को पूरी तरह खोलने की मांग भी की। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खोलने के लिए अपनी शर्तें अमेरिका के सामने रखी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने अमेरिकी अधिकारियों के सामने इन शर्तों को रखा।

द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका सैन्य और आर्थिक दबाव कम करने के लिए कदम उठाता है तो ईरान 7 दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है।

तस्वीर अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ (बाएं) और ट्रम्प के दामादा जेरेड कुशनर (दाएं) की है। (फाइल फोटो)

विटकॉफ-अराघची नहीं मिले, मध्यस्थों के जरिए बातचीत हुई

अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बातचीत के बाद कहा कि उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया कि उन्होंने ईरानी अधिकारियों से सीधे मुलाकात नहीं की। बातचीत में ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल रहे। विटकॉफ के मुताबिक, UN जनरल असेंबली के दौरान दोनों पक्षों के बीच बातचीत मध्यस्थों के जरिए हुई। मध्यस्थ पूरे दिन अमेरिका और ईरान के बीच संदेश लेकर आते-जाते रहे। उन्होंने बताया कि बातचीत का एक दौर पूरा हो चुका है और मध्यस्थ आगे भी दोनों पक्षों के बीच काम जारी रखेंगे।

लोग पानी-दवाइयों के लिए जूझ रहे, ट्रम्प के जंग खत्म होने के दावे पर सवाल उठाया

गाजा के हालात दुनिया के लिए शर्म की बात : मैक्रों

न्यूयॉर्क, एजेंसी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में शांति को लेकर किए जा रहे दावों पर सवाल उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में अपने भाषण में उन्होंने कहा कि गाजा की मौजूदा स्थिति पूरी दुनिया के लिए शर्म की बात है।

मैक्रों ने कहा कि वहां के लोग अब भी पानी, दवाइयों और राहत सामग्री के लिए जूझ रहे हैं, इसलिए सिर्फ शांति का दावा करने से हालात नहीं बदलते।

उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के कुछ घंटे बाद आई, जिसमें कहा गया था कि गाजा का युद्ध खत्म हो चुका है और उनकी 20 सूत्रीय शांति योजना सफल रही है। मैक्रों ने अपने भाषण में वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां लगभग हर दिन नई घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि वेस्ट बैंक की हर घटना के लिए हमास को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प।

मैक्रों बोले- फिलिस्तीन को सिर्फ मान्यता देने से बात नहीं बनेगी

मैक्रों ने कहा कि इसी UN महासभा में कई देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। उस समय भी कुछ लोगों ने कहा था कि सिर्फ मान्यता देने से जमीन पर हालात नहीं बदलेंगे।

उन्होंने कहा कि अगर आज भी गाजा के लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुईं और दुनिया कुछ नहीं कर रही, तो फिर फिलिस्तीन को मान्यता देने का मतलब क्या रह जाता है।

न्यूयॉर्क में UN महासभा के दौरान भाषण देते फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों। तस्वीर 22 सितंबर 2026 की है। न्यूयॉर्क में UN महासभा के दौरान भाषण देते फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों। तस्वीर 22 सितंबर 2026 की है।

मैक्रों ने कहा कि इजराइल के पड़ोसी देशों की संप्रभुता और सीमाओं का सम्मान नहीं करने से उसकी सुरक्षा मजबूत नहीं होगी। उनके मुताबिक, ऐसी कार्रवाइयां आगे चलकर इजराइल की सुरक्षा को ही कमजोर कर सकती हैं। फ्रांस ने पिछले एक साल में वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों को लेकर अपना रुख सख्त किया है। फ्रांस ने कुछ प्रतिबंध लगाए हैं और वहां की बस्तियों से आने वाले सामान पर रोक लगाने की प्रक्रिया भी शुरू की है।

व्हाइट हाउस ने ट्रम्प का बचाव किया

मैक्रों के बयान के बाद व्हाइट हाउस ने ट्रम्प का बचाव किया। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ऐना कैली ने कहा कि ट्रम्प ने इजराइल और हमास के बीच युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सभी जीवित बंधकों को रिहा कराया गया और मारे गए बंधकों के शव भी उनके परिवारों तक पहुंचाए गए। उनके मुताबिक, ट्रम्प अब गाजा में अपनी 20 सूत्री शांति योजना को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस ने कहा कि कई लोग सिर्फ बयान दे रहे हैं, जबकि ट्रम्प इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं।

हमलावर ने घर में घुसकर 11 लोगों को उतारा मौत के घाट

दक्षिण अफ्रीका में अंधाधुंध फायरिंग

केप टाउन, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी बंदरगाह शहर डरबन से एक बेहद भयावह और झकझोर देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां डरबन के एक टाउनशिप में स्थित घर में कुछ हथियारबंद हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर 11 लोगों की निर्मम हत्या कर दी, जबकि इस खूनी हमले में 3 लोग किसी तरह अपनी जान बचाने में कामयाब रहे।

बता दें कि यह दर्दनाक वारदात डरबन के दक्षिण में स्थित क्वामाखुथा टाउनशिप के एक घर में हुई। यह घटना मंगलवार देर रात करीब 11:00 बजे से ठीक पहले की है, जब कुछ लोग एक घर में इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान अचानक हथियारबंद हमलावर वहां घुस आए और ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। क्वाजुलू-नेताल प्रांत के प्रीमियर थामसंखा न्तुली ने बताया कि मारे गए लोगों में एक गर्भवती महिला भी शामिल है। वहीं स्थानीय मीडिया के अनुसार, हमलावरों की क्रूरता यहीं नहीं रुकी। हमलावरों ने घर में मौजूद सभी लोगों को जबरन एक कमरे में बंद किया और फिर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उन्होंने पीड़ितों में से एक की कार को भी आग के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार इस भयावह हमले में तीन लोग किसी तरह जीवित बचने में सफल रहे, जिनका इलाज चल रहा है। वहीं कार्यवाहक पुलिस प्रमुख पुलेंग डिम्पने ने अपराधियों को पकड़ने के लिए 72 घंटे का विशेष अभियान शुरू किया है।

महासभा : आज यूएन में भाषण देंगे, न्यूयॉर्क में कहीं आने-जाने के लिए इजाजत लेनी होगी

जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति अमेरिका पहुंचे

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान मंगलवार देर रात (भारतीय समयानुसार) न्यूयॉर्क पहुंच गए। वे 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देंगे। जिस अमेरिका से ईरान की जंग चल रही है, उसी ने पजशकियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची को UN की बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी है।

पजशकियान और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प एक ही शहर में होंगे, लेकिन फिलहाल दोनों की बैठक तय नहीं है। ट्रम्प ने पजशकियान से मिलने की इच्छा जताई है। लेकिन ईरानी पक्ष ने कहा है कि दोनों नेताओं की कोई बैठक तय नहीं है।

ईरान के नेताओं के UN भाषणों का इतिहास कई बड़े विवादों से जुड़ा रहा है। कभी अमेरिकी डेलिगेशन भाषण के दौरान सदन से बाहर चला गया, कभी एक प्रदर्शनकारी मंच तक पहुंच गया और कभी कई देशों के प्रतिनिधियों ने एक साथ वॉकआउट किया। पजशकियान अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और ईरान पर दबाव को किस तरह पेश करते हैं, यह अहम होगा। खासकर यह कि युद्ध रोकने के लिए ईरान की क्या शर्तें हैं।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में शामिल होने के लिए मंगलवार को अमेरिका पहुंचे।

"ईरानी डेलीगेशन के पास अमेरिका के साथ कूटनीति फिर शुरू करने का अधिकार है। इसलिए पजशकियान के भाषण से यह संकेत मिल सकता है कि ईरान आगे की बातचीत के लिए किन शर्तों पर तैयार है।

दोनों नेताओं की बैठक तय नहीं है। ऐसे में पजशकियान अपने भाषण में सीधे या परोक्ष रूप से ट्रम्प और अमेरिकी प्रशासन को क्या संदेश देते हैं, इस पर भी नजर रहेगी।

ईरानी राष्ट्रपति पजशकियान न्यूयॉर्क में गिरफ्तार नहीं हो पाएंगे। इसकी दो बड़ी वजहें हैं।

किसी देश के मौजूदा राष्ट्रपति को दूसरे देश में जाकर सीधे गिरफ्तार करना आसान नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत मौजूदा राष्ट्राध्यक्षों को खास कानूनी सुरक्षा मिलती है।

होर्मुज को लेकर क्या मैसेज देंगे?

ईरान पहले ही कह चुका है कि अमेरिकी सैन्य दबाव और बंदरगाहों की नाकाबंदी कम होने पर वह 7 दिन में होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। इसलिए भाषण में इस मुद्दे पर कोई नया संकेत महत्वपूर्ण होगा।

देश की अर्थव्यवस्था मजबूत पर ईएमआई बढ़ सकती है

आरबीआई ब्याज दर 0.25% बढ़ा सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.4% से बढ़ाकर 6.9% कर दिया है। फिच का कहना है कि अप्रैल-जून तिमाही में GDP 7.8% की रफ्तार से बढ़ी थी। यह दिखाता है कि भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत है।

हालांकि, फिच का अनुमान है कि आने वाले महीनों में कम बारिश और खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ सकती है। इस महंगाई पर को कंट्रोल में लाने के लिए रिजर्व बैंक आने वाले अक्टूबर महीने में ब्याज दरों को 0.25% तक बढ़ा सकता है। अगर आरबीआई ब्याज दरें बढ़ाता है, तो बैंकों से मिलने वाले होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन महंगे हो जाएंगे और आपकी महीने की EMI थोड़ी बढ़ सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और विदेश से सामान खरीदने-बेचने में आ रही रुकावटों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत रही है। इस साल अप्रैल से जून की पहली तिमाही में देश की विकास दर 7.8% रही, जो यह साबित करती है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, फिच का यह भी मानना है कि इस साल के बाकी बचे महीनों में कामकाज की रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है। फिच की रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ती कीमतों और सामान की किल्लत को देखते हुए RBI अक्टूबर 2026 की बैठक में ब्याज दरों में 0.25% की बढ़ोतरी कर सकता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96